www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 151 || लखनऊ
मंगलवार
01 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:45
सूर्यास्तः 06:26
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार
भागवत की अमेरिका यात्रा ... >>पेज 04
एक फंदे पर लटके मिले प्रेमी... >>पेज 06
आसिम ने भव्या सिंह को भेजा...

मोदी और पुतिन की खास मुलाकात

पीएम ने ब्रिक्स के लिए न्योता दिया, कहा- हमें युद्धों से हटकर आगे बढ़ना चाहिए

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

बिश्केक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों लीडर एक-दूसरे के गले मिले। दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान, मोदी ने पुतिन से कहा कि हमें कभी न खत्म होने वाले युद्धों से हटकर, उन्हें खत्म करने की ओर बढ़ना चाहिए। भारत शांति की दिशा में सभी प्रयासों का समर्थन करता है। पीएम ने पुतिन को सितंबर में होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने का न्योता दिया। इससे पहले मोदी ने ईरान, किर्गिस्तान और अर्मेनिया के राष्ट्राध्यक्षों से द्विपक्षीय मुलाकात की। मोदी ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से भी मिले। बिश्केक में चल रही SCO समिट की थीम 'शांति, विकास और समृद्धि के लिए मिलकर आगे बढ़ना' है। इसमें भारत, चीन, रूस, पाकिस्तान, ईरान सहित 10 सदस्य देशों के नेता भाग ले रहे हैं। मोदी बिश्केक में होने वाले 6वें वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे। पीएम मोदी ने भारत में अगले महीने होने वाली ब्रिक्स समिट के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन को न्योता दिया। मोदी ने कहा- ₹भारत कुछ दिनों बाद ब्रिक्स समिट का आयोजन कर रहा है। सभी सभी भारतीय आपका और आपके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक हैं। शंघाई को-ऑपरेशन समिट की स्थापना 15 जून 2001 को चीन के शंघाई शहर में हुई थी। शुरुआत में इसके 6 सदस्य देश थे- चीन, रूस, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। आज SCO दुनिया के सबसे बड़े क्षेत्रीय संगठनों में शामिल है।

दोनों नेताओं के बीच अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

मोदी बोले- "हमने हमेशा यूक्रेन की स्थिति पर चर्चा की है। पिछली बार जब हम मिले थे, तब भी आपने मुझे स्थिति के सभी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी थी। हमें कभी न खत्म होने वाले युद्धों से हटकर युद्धों को खत्म करने की ओर बढ़ना चाहिए। भारत शांति की दिशा में सभी प्रयासों का समर्थन करता है। शांतिपूर्ण तरीकों से सभी मुद्दों का समाधान करना मानवता की पुकार है।"

पुतिन बोले- रूस और भारत के संबंध लगातार मजबूत हो रहे

मीटिंग के दौरान पुतिन ने कहा- मैं खुशी के साथ यह कहना चाहूंगा कि रूस और भारत के संबंध एक खास और विशेषाधिकार प्राप्त साझेदारी के सिद्धांतों के आधार पर लगातार मजबूत हो रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी, रूस-भारत संबंधों पर आपके विशेष ध्यान और हमारे बीच बने व्यापारिक और दोस्ताना रिश्तों से इसमें मदद मिली है। इसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूं।

पुतिन बोले- रूस में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 7 गुना बढ़ी

राष्ट्रपति पुतिन की बातों को ट्रांसलेट किया जा रहा है। ट्रांसलेटर ने कहा, रूस में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या के मामले में भारत टॉप लिस्ट में शामिल है। पिछले कुछ सालों में यह संख्या 7 गुना बढ़कर 40,000 हो गई है। हम नियमित रूप से भारत और रूस के सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करते हैं। हमारे बीच पर्यटकों का आना-जाना भी काफी होता है, जिसमें 16% की वृद्धि देखी गई है। आज हमारे पास रूस-भारत संबंधों के विकास के बारे में विचारों का आदान-प्रदान करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने का अच्छा मौका है।

मोदी ने पुतिन से कहा- युद्ध का हर दिन मानवता को पीछे धकेल रहा

पुतिन और मोदी के बीच द्विपक्षीय बैठक शुरू हो गई है। इस दौरान पीएम मोदी ने पुतिन से कहा कि वे यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के पक्ष में हैं, क्योंकि युद्ध का हर दिन मानवता को पीछे धकेल रहा है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज और ईरान के राष्ट्रपति पजशकियान की मुलाकात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बिश्केक में SCO समिट के दौरान ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पजशकियान से मुलाकात की।

2025 तियानजिन डिक्लरेशन में पहलगाम हमले की निंदा हुई थी

शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद का तियानजिन घोषणा-पत्र में कहा गया था- "सदस्य देशों ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे हमलों के दोषियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।"

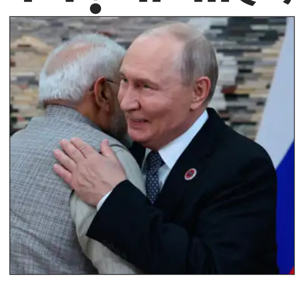

■ एससीओ समिट में पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने एक-दूसरे को गले लगा लिया।

■ किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सदिर जपरोव भी पीएम मोदी से मिले।

मोदी बोले- दोनों देश लोगों की भलाई के लिए काम कर रहे

मोदी ने कहा- पिछले साल आपकी भारत यात्रा बहुत सफल और सचमुच यादगार रही। हमारे लिए यह बहुत संतोष की बात है कि हमारा सहयोग नई ऊंचाइयां छू रहा है और हम दोनों देशों के लोगों की भलाई के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय हित को सबसे ऊपर रखना हमारा साझा दृष्टिकोण रहा है और भविष्य में भी यही हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत बना रहेगा।

सोनिया गांधी की किताब नहीं छापेगा पेंगुइन इंडिया

नई दिल्ली। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' प्रकाशित नहीं करने केके फैसले पर फिर सफाई दी है। पब्लिशर ने कहा कि इस फैसले के पीछे कोई बाहरी दबाव नहीं था, बल्कि पर चर्चा के दौरान एक खास मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी। हालांकि पेंगुइन ने उस मुद्दे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पब्लिशर ने इसके लिए समझौते और लेखक की गोपनीयता का हवाला दिया है। यह सफाई कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के संस्मरण के भारत में प्रकाशन को लेकर चल रहे विवाद के बीच आई है। प्रकाशन इससे पहले भी सफाई दे चुका है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (PRHI) की प्रवक्ता पल्लवी नारायण ने PTI से कहा, किताब की सामग्री गोपनीय है और अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। इसलिए इस मामले में किसी भी तरह का बाहरी दबाव नहीं था।

दिल्ली में बस में 16 साल की छात्रा से हुआ गैंगरेप

ग्रेटर नोएडा से बैठाया, बस 47किमी दौड़ती रही

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में 16 साल की छात्रा से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की है, पुलिस ने 31 अगस्त को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी दौड़ती रही। बस के शीशों पर पर्दे लगे थे। पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी कब हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पीड़ित उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं की छात्रा है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित यूपी के मैनपुरी की रहने वाली है। परिवार में झगड़ा होने पर बिना बताए नोएडा में कजिन के घर के लिए बस से निकली। मैनपुरी से नोएडा की दूरी 300 किमी से ज्यादा है। भारी बारिश और अंधेरे के कारण छात्रा गलती से परी चौक पर उतर गई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली में 47 लाख नाम एसआईआर ड्राफ्ट से बाहर

पहली लिस्ट में महाराष्ट्र के 2 करोड़ नाम छूटे, आपत्ति के लिए 30 सितंबर तक का समय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। चुनाव आयोग ने सोमवार को महाराष्ट्र और दिल्ली में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के तहत पहली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी। दिल्ली में कुल 1 करोड़ 45 लाख मतदाताओं में से 47 लाख 56 हजार 722 नाम इस लिस्ट में शामिल नहीं हैं। वहीं, महाराष्ट्र में करीब 2 करोड़ 7 लाख मतदाताओं के नाम भी फिलहाल प्रारूप सूची से बाहर हैं। ड्राफ्ट सूची में नाम शामिल नहीं होने वालों में अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा,

कुछ अन्य मामलों और डिजिटाइजेशन के लिए फॉर्म जमा नहीं होने या तकनीकी कारणों से भी कई मतदाताओं के नाम फिलहाल ड्राफ्ट रोल में नहीं हैं। ड्राफ्ट सूची में नाम नहीं मिलने पर मतदाता 30 सितंबर 2026 तक दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

10 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में पूरा हुआ एसआईआर

SIR के पहले और दूसरे फेज में 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। SIR के बाद बिहार, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती है। केरल में कांग्रेस गठबंधन और तमिलनाडु में TVK ने जीत हासिल की है।

असम में स्पेशल रिवीजन (SR) हुआ। यहां भी भाजपा सरकार की वापसी हुई।

फास्ट न्यूज

भारतीय इकोनॉमी आरबीआई के अनुमान से ज्यादा तेजी से बढ़ी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव से बढ़ती महंगाई के बावजूद भारत की इकोनॉमी RBI के अनुमान से ज्यादा मजबूत रही। GDP इस साल की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून में 7.8% रही। RBI का अनुमान 7% था। एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 6.9% की दर से बढ़ी थी। फाइनेंस, इससे महंगाई का असर GDP ग्रोथ पर नहीं पड़ा।

दिल्ली दंगों के 12 आरोपी बरी हुए

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के मामले में 12 आरोपियों को हत्या, दंगा और डकैती के आरोपों से बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ सिर्फ इसलिए आपराधिक जिम्मेदारी तय नहीं की जा सकती, क्योंकि वह गैरकानूनी भीड़ का हिस्सा था। अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ निजी अपराध का सबूत जरूरी है। मामले में लोकेश सोलंकी, पंकज शर्मा, अंकित चौधरी, प्रिंस, जतिन शर्मा, हिमांशु ठाकुर, विवेक पंचाल, ऋषभ चौधरी, सुमित चौधरी, टिंकू अरोड़ा, संदीप और साहिल आरोपी थे।

नाबालिग से गैंगरेप के 5 दोषियों को उम्रकैद

वडोदरा। गुजरात के बहुचर्चित भायली गैंगरेप मामले में सोमवार को वडोदरा कोर्ट ने पांचों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। आरोपियों पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। वहीं, कोर्ट ने पीड़िता को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है।

नेपाल-तिब्बत में बाढ़ से मौत का आंकड़ा बढ़कर 955 हुआ

चीन ने त्रासदी पर सफाई दी, कहा- 12 दिन पहले अलर्ट दिया था

तबाही

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-तिब्बत में 26 अगस्त को आई बाढ़ के बाद मौत का आंकड़ा बढ़कर 955 हो गया है। अकेले नेपाल में 939 मौते हुई हैं, जबकि तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। वहीं, 3900 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। दूसरी ओर, बाढ़ से पहले जरूरी डेटा साझा न करने के आरोपों पर चीन ने सफाई दी है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसके वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर ने बाढ़ से 12 दिन पहले ही नेपाल को ईमेल भेजकर भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ की चेतावनी दी थी। दरअसल, 27 मई को काठमांडू में

दोनों देशों की मौसम और ग्लेशियर से जुड़े खतरों पर बैठक हुई थी। इसमें नेपाल ने ग्लेशियरों में शुरुआती हलचल और संभावित खतरे की जानकारी पहले देने की मांग की थी। नेपाल का आरोप है कि चीन भारी बारिश का अनुमान तो देता है, लेकिन हिमस्खलन, पानी के स्तर, भूस्खलन और दूसरे बड़े प्राकृतिक खतरों की जानकारी साझा नहीं करता। नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 939 हो गई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

'कॉकरोच' के आगे झुकी सरकार?

प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर रद्द कराने सुप्रीम कोर्ट पहुंचा केंद्र

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों से जुड़ी एफआईआर रद्द करवाने के लिए याचिका लगाई है। यह जानकारी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दी। उन्होंने बताया कि FIR रद्द कराने के लिए हम अनुच्छेद 142 का सहारा ले रहे हैं।सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर मंगलवार को सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। वह सुप्रीम कोर्ट में वाले कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के मार्च पर रोक लगाने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान पेश हुए थे।

सीजेपी का आरोप- सरकार ने चार में से तीन मांगें अभी नहीं मानी

कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने शनिवार को सरकार पर मांगे पूरी न करने का आरोप लगाया। CJP ने X पर लिखा कि सरकार हर बार अधूरे वादे करके बच नहीं सकती। सरकार के सामने रखी गईं चार में से तीन मांगें अब भी अधूरी हैं। पहली- छात्रों के परिवारों को मुआवजा दिया जाए। दूसरी- छात्रों के खिलाफ दर्ज FIR वापस ली जाए और कोई कार्रवाई न की जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने 5 सितंबर को दिल्ली में होने वाले इस मार्च पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस मार्च से कोई अप्रिय घटना होगी, ऐसा मानने की कोई ठोस वजह नहीं है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि प्रशासन से उम्मीद है कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखेगा और सभी पक्षों को जिम्मेदारी से और कानून के मुताबिक काम करना सुनिश्चित करेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

★ करोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके 5 सितंबर को दिल्ली मार्च का ऐलान किया है।

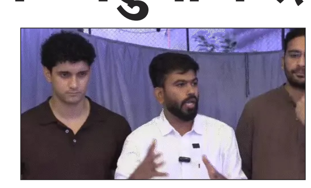

सीजेपी के मार्च में सुसाइड करने वाले छात्रों के परिजन भी आएंगे

5 सितंबर को मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। इसमें उन स्टूडेंट्स के परिजन भी शामिल होंगे, जिन्होंने NEET पेपर लीक के बाद सुसाइड किया था। 24 अगस्त को CJP ने अपनी वर्किंग कमेटी की वर्चुअल मीटिंग के बाद यह फैसला लिया था। पार्टी ने कहा कि सरकार ने कहा था कि छात्रों पर दर्ज केस खत्म होंगे, पर ऐसा नहीं हुआ। उन्हें हमारे धैर्य को कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

हादसा : 3 मकान जमींदोज, तड़पते घायलों को चारपाई पर लेकर भागे लोग

प्रयागराज एयरफोर्स स्टेशन के पास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज, कौशांबी। यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। इस हादसे में 2 बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 झुलस गए। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्ट्री जमींदोज हो गई। 100 मीटर के दायरे में बने आसपास के 8 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। इनमें से 3 जमींदोज हो गए। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से

11 की मौत | 22 झुलसे

मनौरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन 2 किमी है। पुलिस, एयरफोर्स, NDRF और SDRF के 200 जवान रेस्क्यू में जुटे हैं। 10 बुलडोजरों से मलबा हटाया जा रहा है। पुलिस को शक है कि मलबे के नीचे कुछ लोग दबे हो सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

कौशांबी डीएम अमित पाल शर्मा ने बताया कि अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

■ ग्रामीणों ने झुलसे लोगों को चारपाई पर लादकर सड़क तक पहुंचाया, फिर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

■ हादसे में जिंदा बची लड़की ने कहा कि घर में मैं, मेरा छोटा भाई और मम्मी थीं। सिर्फ मैं ही बाहर निकल पाई। बाकी सभी दब गए।

घायलों को चारपाई से उठाकर लाए

विस्फोट और मकानों के गिरने के बाद आसपास के लोग दौड़े। उन्हें जो लोग मलबे के बीच खून से लथपथ दिखे, उन्हें चारपाई पर कुछ दूर लेकर आ गए। इसके बाद किसी गाड़ी या फिर एम्बुलेंस का इंतजार करने लगे।

3 और शव मिले, मृतकों की संख्या 10 हुई

कौशांबी में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के बाद 3 और शव शाम करीब साढ़े 5 बजे बरामद किए गए। इसके साथ ही हादसे में अब तक कुल 10 शव मिल चुके हैं। मौके पर पुलिस और राहत-बचाव टीम का अभियान लगातार जारी है। टीम मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटी है। कौशांबी में पटाखा विस्फोट वाली जगह से करीब 200 मीटर की दूरी पर 2 पटाखा गोदाम मिले हैं। इन गोदामों में पटाखे रखे हैं। सूचना मिलने पर एसडीएम चायल प्रेरणा गौतम, सीओ चायल और तहसीलदार समेत अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों गोदामों का निरीक्षण किया। वहीं, गोदामों की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। जिससे आक्रोशित भीड़ गोदामों में तोड़फोड़ न कर सके और किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

एअर इंडिया की सऊदी अरब-दिल्ली फ्लाइट में बम की धमकी

क्रू को टॉयलेट में धमकी लिखा टिश्यू पेपर मिला, अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

अहमदाबाद। बम की धमकी मिलने के बाद सोमवार को एअर इंडिया की एक फ्लाइट की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सऊदी अरब के दम्माम से नई दिल्ली जा रही इस फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) ने बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया था। क्रू मेंबर को टॉयलेट में अंग्रेजी में 'बम' लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला था। क्रू ने पायलट को सूचना दी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के मुताबिक, पायलट ने करीब के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। मैसेज मिलते ही अहमदाबाद एयरपोर्ट ने सभी इमरजेंसी सेवाओं को एक्टिव कर दिया था। अहमदाबाद रनवे पर विमान के लैंड होते

ही प्लेन को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। इसके बाद, प्लेन में सवार सभी 32 पैसेंजर्स को उतारकर एयरपोर्ट बस से टर्मिनल तक सुरक्षित पहुंचाया गया। पैसेंजर्स के सामान को अलग रखकर जांच की। इमरजेंसी लैंडिंग के बाद, फायर ब्रिगेड, सीएसएफ, बम स्क्वॉड और अन्य रेस्क्यू टीमों ने प्लेन को घेर लिया था। सुरक्षा अधिकारियों और टेक्नीकल टीमों ने प्लेन के हर कोने, कार्गो होल्ड और सीटों की जांच की।

पहली बार बसपा की बैठक में शामिल हुए, पिता की सीट से लड़ सकते हैं चुनाव

मायावती ने उमाशंकर सिंह के बेटे को किया लॉन्च

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को लखनऊ में बड़ी बैठक की। इसमें दिवंगत बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे युकेश सिंह भी शामिल हुए। यह पहली बार है, जब युकेश किसी सियासी कार्यक्रम में दिखे। बैठक में वह सबसे आगे बैठे दिखे। माना जा रहा है, मायावती ने युकेश की औपचारिक पॉलिटिकल लॉन्चिंग कर दी है। वह अपने पिता की रसड़ा (बलिया) सीट से 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। यूपी में बसपा के इकलौते विधायक रहे उमाशंकर सिंह (55) का 5 अगस्त को निधन हो गया था। वे लंबे समय से ब्रेन कैंसर से जूझ रहे थे। तब मायावती ने कहा था- ₹उमाशंकर मुझे अपनी सगी बहन की तरह मानते थे। राजनीति में कई लोगों ने साथ छोड़ा, लेकिन उन्होंने कभी पार्टी को धोखा नहीं दिया। अगर परिवार की इच्छा होगी, तो उनके बेटे को राजनीति में आगे बढ़ने का पूरा अवसर दूंगी। उन्हें वही सम्मान और महत्व दिलाने का प्रयास करूंगी, जो उमाशंकर सिंह को मिला था। उधर, प्रदेश कार्यालय में सुबह 11 बजे शुरू हुई बैठक करीब डेढ़ घंटे चली। इसमें यूपी के सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्ष, मंडल कोऑर्डिनेटर और घोषित विधानसभा प्रभारियों समेत 600 से ज्यादा पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। हालांकि, मायावती के भतीजे आकाश आनंद बैठक में मौजूद नहीं रहे। बताया गया कि आज की बैठक का फोकस सिर्फ यूपी पर था। ऐसे में आकाश 3 सितंबर को होने वाली बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होंगे।

युकेश अपने पिता की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी

उमाशंकर सिंह बलिया जिले की रसड़ा सीट से 3 बार विधायक रहे थे। परिवार में पत्नी पुष्पा सिंह, बेटी यामिनी और बेटा प्रिंस युकेश हैं। विधायक ने 2024 में युकेश की शादी यूपी सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह की भतीजी कनिका सिंह से कराई थी। बसपा प्रमुख मायावती भी इस शादी में पहुंची थीं। युकेश अपने पिता की कंपनी 'CS इंफ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) हैं। उमाशंकर के निधन के बाद प्रिंस युकेश को उनकी राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। हालांकि, अभी तक युकेश कभी एक्टिव पॉलिटिक्स में नहीं दिखे थे।

दिवंगत बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे युकेश सिंह (बीच में) ने पहली बार पार्टी की बैठक में शिरकत की।

> बैठक में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन की जमीनी मजबूती और संभावित प्रत्याशियों के चयन पर चर्चा हुई। इसके साथ ही मायावती ने पिछली बैठकों में दिए गए दिशा-निर्देशों की समीक्षा की।

संवाद के जरिये योगी सरकार नारी सशक्तीकरण को दे रही नई दिशा

- नारी की राजनीतिक चुनौतियां एवं नारी वंदन अधिनियम पर छात्राओं ने रखे विचार
- भाषा संस्थान और पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय के संयुक्त आयोजन में 100 से अधिक छात्राओं ने लिया हिस्सा
- 1 सितंबर को विजेताओं को पुरस्कार व सभी प्रतिभागियों को वितरित किए जाएंगे प्रमाणपत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी और अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में योगी सरकार की पहल को शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से भी गति मिल रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ और पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को नारी की राजनीतिक चुनौतियां एवं नारी वंदन अधिनियम विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की 100 से अधिक छात्राओं ने उत्साह-पूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महिलाओं से जुड़े संवैधानिक अधिकारों, राजनीतिक सहभागिता और नारी वंदन अधिनियम के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना रहा। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने विषय पर अपने विचारों को निबंध के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। छात्राओं के उत्साह ने कार्यक्रम को खास बना दिया।

उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान द्वारा महाविद्यालय के साथ मिलकर आयोजित यह कार्यक्रम भाषा, लेखन और सामाजिक जागरूकता को जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ जच्चा बच्चा की मौत पर हंगामा

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को लोक जनशक्ति पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सीएमओ कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया। तकरोही स्थित एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत के मामले में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पीड़ित परिवार के लोग भी प्रदर्शन में शामिल हुए और नारेबाजी की।

लखनऊ में स्वाइन फ्लू के 4 नए केस

लखनऊ । लखनऊ में स्वाइन फ्लू (H1N1) का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को 4 नए मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई। इनमें 2 मरीज SGPGI और 2 मरीज डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मिले हैं। सभी मरीजों को आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती हैं। इससे पहले बलरामपुर अस्पताल में स्वाइन फ्लू के 3 पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। इनमें से एक महिला की मौत भी हो चुकी है। लखनऊ सीएमओ डॉ. एनबी सिंह के मुताबिक, सोमवार को 4 नए केस पॉजिटिव मिले हैं। उन्होंने बताया कि लखनऊ के सभी जिला स्तरीय अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए बेड रिजर्व किए गए हैं।

छत पर सो रहे युवक की चाकू मारकर हत्या

बख्शी का तालाब। लखनऊ में रविवार-सोमवार देर रात 25 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना महिंगवां थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव की है। निर्माणाधीन मकान की छत पर सो रहे सतीश यादव पर कुछ लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल सतीश छत से नीचे खेत में जा गिरा।

बाढ़ प्रभावितों के लिए योगी सरकार का राहत अभियान युद्ध स्तर पर जारी

भोजन से लेकर सुरक्षित ठिकाने तक का इंतजाम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक रविवार तक प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक प्रदेश में कोई जनहानि नहीं व पशुहानि नहीं होने पाई है। योगी सरकार की निगरानी में राहत कार्य प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जारी हैं।

वर्तमान में बाढ़ से करीब 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार का पूरा जोर प्रभावित आबादी को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है। इसके लिए प्रभावित इलाकों में अब तक कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की जा चुकी हैं। इन चौकियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। राहत कार्यों के साथ सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में 200 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5,432 क्लोरीन टैबलेट तथा 5,441 ओआरएस पैकेट वितरित किए गए हैं।

बाढ़ पीड़ितों तक भोजन पहुंचाने के लिए व्यापक इंतजाम

बाढ़ जैसी आपदा में सबसे बड़ी जरूरत प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने की है। योगी सरकार ने इस मोर्चे पर भी व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की स्थिति के मुताबिक 2,024 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 10,784 लंच पैकेट वितरित किए गए हैं। अब तक कुल 55,572 खाद्यान्न पैकेट और 3.02 लाख लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं। इससे राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है।

कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने नवागंतुक विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

'स्टूडेंट कनेक्ट और ओरिएंटेशन डे 2026' का हुआ आयोजन

- डिग्री के साथ व्यावहारिक कौशल, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की वास्तविक कुंजीः मंत्री कपिल देव अग्रवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (CIPET: IPT), लखनऊ में सोमवार को नवागंतुक छात्र-छात्राओं के स्वागत, मार्गदर्शन एवं करियर निर्माण की सही दिशा तय करने हेतु 'Student Connect & Orientation Day 2026' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने संस्थान परिसर में संचालित अत्याधुनिक टेस्टिंग लैब्स, उच्चस्तरीय प्रयोगशालाओं तथा आधुनिक कार्यशालाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लास्टिक एवं पेट्रोकेमिकल प्रोसेसिंग, मोल्ड डिजाइनिंग और गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़ी तकनीकों की विस्तृत जानकारी ली। इस अवसर पर हरित परिसर और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में पौधरोपण भी किया गया। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन और खेल के मैदान में हार-जीत स्वाभाविक है। जो हार से डरता है, वह कभी बड़ी जीत हासिल नहीं कर सकता। आज कड़े कॉम्पिटिशन का दौर है; यदि 200 रिक्तियों के लिए 2,000 युवा कतार में हैं, तो चयन उसी का होगा जिसके पास डिग्री के साथ-साथ उत्कृष्ट संवाद क्षमता, बॉडी लैंग्वेज, अनुशासन और आत्मविश्वास होगा। जब आप सवाल पूछने और सही जवाब देने का साहस जुटाते हैं, तो वही आत्मविश्वास आपकी सबसे बड़ी पूंजी बनता है।

आधुनिक प्रयोगशालाओं एवं कार्यशालाओं का किया निरीक्षण

कार्यक्रम में संस्थान के शैक्षणिक प्रमुख डॉ. राजेश पांडा, संकाय सदस्य, अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में मंत्री ने सभी नवागंतुक विद्यार्थियों को उनके सफल शैक्षणिक सत्र और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

ए. के. शर्मा ने सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

'जनता की समस्याओं का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता'

- विद्युत कनेक्शन, बिल सुधार, पेयजल एवं जलनिकासी से जुड़ी शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने आज अपने आवास पर जनसुनवाई कर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने विद्युत कनेक्शन, विद्युत बिल में सुधार, पेयजल, जलनिकासी सहित नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग से संबंधित विभिन्न समस्याओं को मंत्री श्री शर्मा के समक्ष रखा। मंत्री ए. के. शर्मा ने एक-एक कर फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतों को सुनना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी समाधान कर आमजन को राहत पहुंचाना है। पेयजल एवं जलनिकासी से संबंधित शिकायतों पर उन्होंने नगर निकायों एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना और जलभराव एवं जलनिकासी की समस्याओं का स्थायी समाधान करना सरकार की प्राथमिकताओं में है। बारिश के दौरान जलनिकासी व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने तथा जहां आवश्यक हो वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

विद्युत विभाग से संबंधित शिकायतों पर मंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। विद्युत कनेक्शन, बिल सुधार तथा अन्य उपभोक्ता सेवाओं से जुड़ी शिकायतों में अनावश्यक विलंब न हो और पात्र लोगों को विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से मिले।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

किसानों की आय बढ़ाने एवं युवाओं को रोजगार देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

- उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति - 2023 के अंतर्गत एप्रेजल समिति की बैठक सम्पन्न
- 10 नवीन खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को सशर्त स्वीकृति की संस्तुति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों, उद्यमियों एवं युवाओं के लिए अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। यह सेक्टर न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का माध्यम भी बनेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, अनुदानों एवं प्रोत्साहनों के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी इस क्षेत्र में निवेश के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानों के उत्पादों को बेहतर मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता है।

इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी एल मीणा की अध्यक्षता में सोमवार को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत गठित अप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पोर्टल पर प्राप्त नवीन निवेश प्रस्तावों का परीक्षण एवं एप्रेजल समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रस्तावों पर विचार किया गया।

बैठक में अब तक प्राप्त कुल 12 नवीन आवेदनों पर विचार किया गया। इनमें से 10 प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों की पूर्ति के अधीन स्वीकृति हेतु संस्तुति प्रदान की गई।

संघ की शताब्दी यात्रा में मातृशक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : महाना

'शतायु संघ और महिला सहभागिता' पुस्तक में नारी शक्ति के योगदान को सामने लाने का प्रयास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'शतायु संघ और महिला सहभागिता' पुस्तक पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा. राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल, विशिष्ट अतिथि मा. विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना, महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री मा. श्रीमती बेबी रानी मौर्य, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव, कथाकार एवं लेखिका डॉ. शोभा विजेंद्र सहित अन्य गणमान्य-जन उपस्थित रहे।

सतीश महाना ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। संघ के कार्य में मातृशक्ति की भूमिका को किसी भी दृष्टि से कम करके नहीं आंका जा सकता। उन्होंने कहा कि संघ में बहन की भूमिका स्नेह, वात्सल्य, श्रद्धा और समर्पण से जुड़ी है। जहां श्रद्धा होती है, वहीं आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिलती है। उन्होंने कहा कि संघ की विचारधारा में महिलाओं के सम्मान और उनकी सहभागिता को सदैव विशेष स्थान मिला है। मा. राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल ने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनके गांव में विद्यालय नहीं था और उनकी शिक्षा लड़कों के विद्यालय में हुई, जहां वह अकेली छात्रा थीं। उन्होंने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और स्टार्टअप के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रही हैं। समाज क्या कहेगा, इस चिंता में रहने के बजाय महिलाओं को अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में महिलाएं ऋण लेकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। उन्होंने नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

निर्देश : दुग्ध संग्रहण एवं विपणन की व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए : धर्मपाल सिंह

'गौवंश संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकता'

- गौशालाओं की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर 10 सितंबर तक भेजें रिपोर्ट
- नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण और संचारी रोगों की रोकथाम पर विशेष जोर दिया जाए
- प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ाने में दुग्ध क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका -पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में गोवंश संरक्षण के साथ-साथ नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, बधियाकरण तथा संचारी रोगों की रोकथाम के कार्यों में तेजी लायें और इन सभी कार्यों की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित करें जिससे पशुपालकों को स्वस्थ पशुधन मिल सके, दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हो और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिल सके। उन्होंने निर्देशित किया कि 10 सितंबर तक गौशालाओं में सभी संबंधित व्यवस्थाओं की स्थिति की रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय को भेजी जाए। गौशालाओं में गोवंश के लिए चारा, पानी, साफ-सफाई, छाया, उपचार, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की उपलब्धता का मौके पर जाकर निरीक्षण भी किया जाए। धर्मपाल सिंह सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने गौशालाओं के प्रबंधन और चारे भूसे के संबंध में प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि प्रदेश के प्रत्येक मंडल में अपर निदेशक स्तर के अधिकारी द्वारा गौशालाओं की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर

दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा करते हुए धर्मपाल सिंह ने दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुग्ध समितियों को और अधिक सक्रिय किया जाए तथा दुग्ध उत्पादकों को समय पर राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे तकनीकी सहयोग और आवश्यक सुविधाएं मिलें। दुग्ध संग्रहण एवं विपणन की व्यवस्थाओं को मजबूत करने के साथ ही विभागीय योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों और पशुपालकों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की दिशा में आगे बढ़ाने में दुग्ध क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने निर्देश दिए कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं।

आरक्षण की समीक्षा, सवर्ण आयोग गठन और एससी/एसटी एक्ट खत्म करने की मांग

क्षत्रिय कल्याण परिषद का प्रदर्शन

आपत्ति

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में सोमवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद ने विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 1 बजे गांधी भवन से शुरू हुआ प्रदर्शन कचहरी रोड होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठाई और सरकार से संबंधित मुद्दों पर जल्द निर्णय लेने की मांग की। परिषद ने अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग आयोगों की तर्ज पर सवर्ण आयोग के गठन की मांग की। संगठन का कहना है कि समाज के सभी वर्गों के हितों की समान रूप से सुनवाई और समस्याओं के समाधान के लिए एक अलग आयोग का गठन जरूरी है।

एससी/एसटी एक्ट को समाप्त करने की मांग

प्रदर्शन के दौरान एससी/एसटी एक्ट को लेकर भी परिषद ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई। संगठन का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले में बदलाव कर लागू किए गए प्रावधानों का दुरुपयोग हो सकता है। परिषद ने दावा किया कि प्राथमिकी दर्ज कराने वाले को प्रोत्साहन राशि देने जैसे प्रावधानों से फर्जी मामलों को बढ़ावा मिल सकता है। संगठन ने ऐसे प्रावधानों की समीक्षा करने और एससी/एसटी एक्ट को समाप्त करने की मांग सरकार के सामने रखी।

अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद ने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया तो संगठन आंदोलन को आगे बढ़ाएगा। परिषद ने चेतावनी दी कि समान विचारधारा वाले अन्य संगठनों को साथ लेकर अपने अधिकारों और मांगों के लिए लगातार संघर्ष किया जाएगा।

आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा की मांग

परिषद ने ज्ञापन में कहा कि संविधान में सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। संगठन का आरोप है कि वर्तमान समय में आरक्षण का लाभ आरक्षित वर्ग के भीतर ही कुछ विशेष वर्गों तक सीमित होकर रह गया है। परिषद ने कहा कि इससे समाज में असमानता और असंतोष की स्थिति पैदा हो रही है।

पदोन्नति में आरक्षण खत्म करने की मांग

अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद ने पदोन्नति में आरक्षण को भी समाप्त करने की मांग उठाई। संगठन का कहना है कि पदोन्नति में आरक्षण प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के अनुरूप नहीं है। परिषद ने सरकार से इस व्यवस्था पर पुनर्विचार कर इसे तत्काल समाप्त करने की मांग की। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि आरक्षण का लाभ जाति के बजाय आर्थिक स्थिति को आधार बनाकर जरूरतमंद लोगों को दिया जाना चाहिए।

पानी की छींटे पड़ने पर खूनी संघर्ष

बीच बचाव कर रहे युवक पर कुल्हाड़ी से हमला, गंभीर घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के दही थाना क्षेत्र के सराय कटियार गांव में सोमवार को पानी की छींटे पड़ने को लेकर हुए विवाद में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान सराय कटियार निवासी जितेंद्र यादव के रूप में हुई है। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। परिजनों के अनुसार, गांव में कुछ लोग पुलिया पर बैठे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक वाहन से पानी की छींटे उछलकर महेंद्र नामक व्यक्ति पर पड़ गईं। इसी बात को लेकर महेंद्र की वाहन सवार से बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। इस विवाद के दौरान जितेंद्र यादव बीच-बचाव करने पहुंचे थे। वे दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराने का प्रयास कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान नरेंद्र पाल पुत्र रघुनंदन और उसके साथ मौजूद

सोनू व मोनू ने जितेंद्र पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। कुल्हाड़ी से हुए इस हमले के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह मामला शांत कराया और घायल जितेंद्र को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए इलाज शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घायल जितेंद्र और उनके परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आरोपों की जांच करने के साथ ही विवाद की वास्तविक वजह और हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तहरीर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फास्ट न्यूज़

युवती की मौत मामले में प्रेमी समेत तीन पर केस

हरदोई। हरदोई में सुरसा थाना क्षेत्र के खुद्दी मजरा बड़ौआ गांव में 28 अगस्त की देर रात फंदे पर लटकी मिली 18 वर्षीय सोनिका की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। मृतका की मां की तहरीर पर रविवार रात करीब 10 बजे उसके प्रेमी विकास, उसके जीजा महेंद्र और महेंद्र की पत्नी संजावती के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतका की मां ऊषा ने आरोप लगाया कि विकास और उसके परिजनों ने सोनिका को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।

तेंदुए ने हिरन का शिकार किया

बाराबंकी। बाराबंकी के हैदरगढ़ क्षेत्र में चार दिन की शांति के बाद तेंदुए की सक्रियता फिर सामने आई है। चकौरा मार्ग किनारे उड़द के खेत में तेंदुए ने हिरन का शिकार किया। खेतों में मिले पगचिह्न और तेंदुए की दहाड़ से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। पिछले करीब एक सप्ताह से तेंदुआ गांव और जंगल के आसपास देखा जा रहा है। शाम होते ही ग्रामीण बच्चों को घरों में कर देते हैं और अकेले खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं। वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने के लिए लगातार निगरानी कर रही है।

उन्नाव मंदिर से शिवलिंग पर बैठा नाग चोरी

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट स्थित एक शिव मंदिर में शिवलिंग पर बैठे नाग को चोरी करने का मामला सामने आया है। यह घटना 28 अगस्त की दोपहर करीब तीन बजे हुई, जो मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सोमवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह मामला चर्चा में आया। वायरल सीसीटीवी फुटेज में एक युवक मंदिर के अंदर प्रवेश करता दिखाई दे रहा है।

स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

उन्नाव में सीएचसी में दो, जिला अस्पताल में छह बेड आरक्षित

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। शासन स्तर से जारी विस्तृत गाइडलाइन के बाद यह कदम उठाया गया है। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. जेआर सिंह ने सोमवार को सीएमओ कार्यालय में बताया कि 25 अगस्त को स्वाइन फ्लू से संबंधित पत्र और विस्तृत दिशा-निर्देश प्राप्त हुए हैं। इन दिशानिर्देशों के आधार पर जिले के सभी ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। सभी एमओआईसी, बीसीपीएम, एचईओ और एआरओ के साथ बैठकें कर उन्हें शासन की गाइड-लाइन की जानकारी दी जा चुकी है। डॉ. जेआर सिंह ने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर

स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए दो-दो बेड आरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, जिला अस्पताल में छह बेड आरक्षित किए जाएंगे। स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। फ्रंटलाइन वर्करों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे लोगों में किसी तरह का भय न फैलने दें। उन्हें लक्षणों के आधार पर मरीजों को उचित सलाह देने के लिए कहा गया है। डॉ. जेआर सिंह ने इन्फ्लूएंजा के मरीजों के लक्षणों को तीन श्रेणियों में समझाया।

पुलिसकर्मियों को आग से बचाव के तरीके सिखाए गए

उन्नाव के गंगाघाट थाने में अग्निशमन विभाग ने दिया प्रशिक्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। अग्निशमन विभाग की टीम ने सोमवार को गंगाघाट थाने में पुलिसकर्मियों को आग से बचाव और अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्नाव से एफएसओ राम मिलन भारती और फायरमैन दिलीप कुमार ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों और बचाव के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन कर्मियों ने बताया कि आग लगने पर घबराने के बजाय तत्काल आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना चाहिए। उन्होंने आग के प्रकार के अनुसार उस पर काबू

पाने के लिए उचित संसाधन का इस्तेमाल करने और अग्निशमन यंत्रों के सही संचालन की जानकारी भी दी। व्यावहारिक जानकारी देने के लिए सिलेंडर में नियंत्रित तरीके से आग लगाई गई, जिसके बाद फायर एक्सटिंग्विशर का उपयोग कर आग बुझाने का अभ्यास कराया गया। फायरमैन ने कर्मचारियों को गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में सुरक्षित दूरी बनाकर आग पर काबू पाने और परिस्थितियों के अनुसार उचित अग्निशमन उपकरण का प्रयोग करने के तरीके बताए। एफएसओ राम मिलन भारती ने कहा कि पुलिसकर्मी किसी भी आपात स्थिति में सबसे पहले मौके पर पहुंचने वाले विभागों में से एक होते हैं। ऐसे में उन्हें आग से बचाव और प्रारंभिक स्तर पर आग बुझाने की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसक-र्मियों को आग की घटना के दौरान तत्काल और सुरक्षित कार्रवाई के लिए तैयार करना है। भारती ने पुलिसकर्मियों को आग लगने के संभावित कारणों जैसे शॉर्ट सर्किट, गैस सिलेंडर और ज्वलनशील पदार्थों से होने वाली घटनाओं के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया।

बसरा के जुम्मन पूर्व में लगेगी हाई स्ट्रीट लाइट

सांसद निधि से फाउंडेशन का काम पूरा, जल्द होगी स्थापना

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के निंदूरा क्षेत्र स्थित बसरा के जुम्मन पूर्ववा में एक हाई स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी। यह लाइट सांसद तनुज पूनिया की निधि से भारत पेट्रोल पंप के निकट अशोक यादव कॉम्प्लेक्स बाजार रोड के कोने पर स्थापित की जाएगी। परियोजना के पहले चरण में फाउंडेशन का कार्य पूरा हो चुका है। फाउंडेशन को मजबूत होने के लिए कुछ दिन का समय दिया गया है। इसके बाद एक सप्ताह के भीतर हाई स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य संपन्न कर लिया जाएगा। इस हाई स्ट्रीट लाइट की स्थापना से बसरा जुम्मन पूर्ववा बाजार और आसपास के क्षेत्रों में रात के समय होने वाले अंधेरे की समस्या दूर होगी। स्थानीय

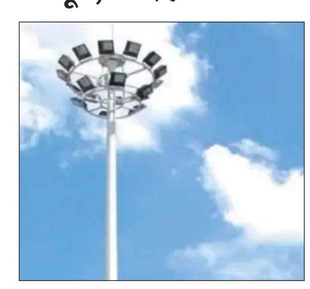

निवासी लंबे समय से यहां प्रकाश व्यवस्था की मांग कर रहे थे। रात में अंधेरा होने से बाजार में आने-जाने वाले लोगों को असुविधा होती थी। अब लाइट लगने से बाजार में चहल-पहल बढ़ेगी और सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। हाई स्ट्रीट लाइट लगने की सूचना से क्षेत्रवासियों में संतोष है। स्थानीय लोगों का मानना है कि रात में पर्याप्त प्रकाश होने से व्यापार में वृद्धि होगी और आवागमन में सुविधा मिलेगी।

लखनऊ-बहराइच हाईवे पर कार-ट्रेलर टक्कर, तीन गंभीर घायल

केसरीपुर के पास हादसा, दो जिला अस्पताल रेफर किए गए

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। सोमवार को लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामनगर थाना क्षेत्र के केसरीपुर के पास एक तेज रफ्तार कार और ट्रेलर की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में कार में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस के अनुसार, इग्निस कार (संख्या यूपी 32 जे डब्ल्यू 0967) लखनऊ से बलरामपुर जा रही थी। केसरीपुर के पास पहुंचने पर यह ट्रेलर से टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को कार से बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलने पर पीआरबी-112 पुलिस टीम मौके पर

पहुंची। एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रामनगर पहुंचाया गया। घायलों की पहचान बलरामपुर जिले के उतरौला कोतवाली क्षेत्र के रमवापुर खुर्द निवासी राहुल पांडे (पुत्र उमेश चंद्र पांडे), कन्हैया तिवारी और शिवम तिवारी (पुत्र कन्हैया तिवारी) के रूप में हुई है। सीएचसी रामनगर में चिकित्सक डॉ. अंकुर ने उनका प्राथमिक उपचार किया चिकित्सकों ने बताया कि

कन्हैया तिवारी और शिवम तिवारी की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। राहुल पांडे का उपचार सीएचसी रामनगर में जारी है। तीनों घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। रामनगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी जुटाई और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारण हाईवे पर कुछ देर के लिए आवागमन प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने नियंत्रित कर सामान्य कराया। क्षतिग्रस्त कार को हटाने की कार्रवाई भी की गई।

पासी समाज की तिरंगा यात्रा

सल्हीय पासी की पहचान पर विवाद की निष्पक्ष जांच की मांग, मदारी पासी की प्रतिमा लगाने की अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में अखिल भारतीय पासी महासभा की ओर से सोमवार दोपहर करीब 2 बजे पैदल तिरंगा यात्रा निकाली गई। अम्बेडकर पार्क से शुरू हुई यात्रा शहीद उद्यान होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार को प्रधानमंत्री को संबोधित दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। यात्रा में पूर्व राज्य मंत्री कौशल किशोर के पुत्र विकास किशोर और भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष करन पासी भी शामिल हुए। यात्रा का नेतृत्व अखिल भारतीय पासी महासभा के प्रदेश महासचिव और संडीला नगर संस्थापक महाराजा सल्हीय पासी ट्रस्ट के अध्यक्ष रामबाबू पासी ने किया। शहीद उद्यान पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपनी मांगों

को लेकर ज्ञापन दिया। महासभा की दूसरी प्रमुख मांग एका आंदोलन के प्रणेता जननायक मदारी पासी की प्रतिमा हरदोई के लखनऊ चुंगी चौराहे पर स्थापित करने को लेकर रही। संगठन ने मांग की कि प्रतिमा 24 अक्टूबर 2026 को मदारी पासी की आगामी जयंती से पहले स्थापित की जाए। इसके साथ ही संडीला में लगे बोर्ड पर 'सल्हीय अर्कवंशी' की जगह 'सल्हीय पासी' लिखवाने की मांग भी की गई। पासी महासभा ने प्रशासन को 15 दिन का समय दिया है। संगठन ने चेतावनी दी कि तय अवधि में मांगों पर ठोस और समयबद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो समाज शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से आगे के आंदोलन की रणनीति तय करेगा।

सल्हीय पासी की पहचान को लेकर जांच की मांग

ज्ञापन में संडीला के संस्थापक महाराजा सल्हीय पासी की ऐतिहासिक पहचान को लेकर जारी विवाद की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई। महासभा ने कहा कि वर्ष 2024 में स्थापित स्मृति द्वारों पर अंकित नाम की जांच राजस्व अभिलेखों, गजेटियर और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर कराई जाए। संगठन ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के निर्देशों के तहत कार्रवाई करने और जांच पूरी होने तक विवादित शासकीय निर्माण पर रोक लगाने की भी मांग की।

वारदात : उन्नाव के नानामऊ घाट पर अंतिम संस्कार, विधायक भी हुए शामिल

प्रॉपर्टी डीलर की अपहरण के बाद हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। लखनऊ में अपहरण के बाद गोली मारकर हत्या किए गए प्रॉपर्टी डीलर धीरेंद्र प्रताप सिंह (35) का सोमवार दोपहर उन्नाव के नानामऊ घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान घाट पर बड़ी संख्या में जनप्रति-निधि और स्थानीय लोग मौजूद रहे। बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार भी अंतिम संस्कार में शामिल हुए। धीरेंद्र का शव रविवार शाम लखनऊ के दुबग्गा क्षेत्र में एक छोटी नहर से बरामद हुआ था। उनके माथे और सीने पर गोली के निशान पाए गए। इससे एक दिन पहले शनिवार को धीरेंद्र की पत्नी ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने ड्राइवर रवि तिवारी और उसके साथियों पर

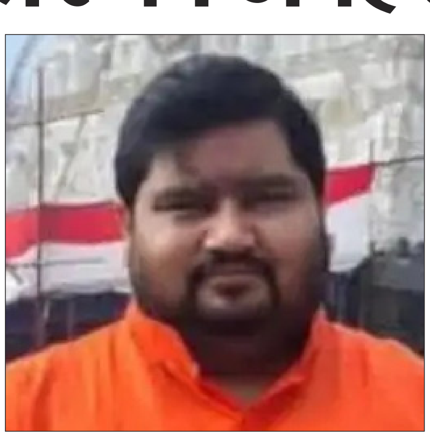

अपहरण का आरोप लगाया था। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि धीरेंद्र की हत्या उनके ड्राइवर रवि तिवारी ने अपने साथी ओमकार के साथ मिलकर की थी। पूछताछ के दौरान ड्राइवर ने हत्या की बात कबूल कर ली है।

बताया गया कि हत्या से पहले धीरेंद्र को रूमाल सुंघाकर बेहोश किया गया था। पुलिस को गुमराह करने के लिए हत्यारों ने धीरेंद्र का मोबाइल फोन ट्रेन में फेंक दिया था, जिससे उसकी लोकेशन लगातार बदलती रही और अगले दिन करीब 350 किलोमीटर दूर चंदौली में ट्रेस हुई। लखनऊ पुलिस के अनुसार, धीरेंद्र की हत्या के बदले ड्राइवर रवि तिवारी को लखनऊ में एक मकान, एक दुकान और 12 लाख रुपये नकद मिलने का लालच दिया गया था। इसी लालच में उसने धीरेंद्र के साथ करीब 10 साल पुराने भरोसे को तोड़ दिया। धीरेंद्र को रवि पर इतना विश्वास था कि वह उसके पास लाखों रुपये नकद छोड़ देते थे और कारोबार से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा करते थे। जांच में हत्या की एक और वजह उन्नाव की करीब 50 करोड़ रुपये कीमत की जमीन का विवाद भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि धीरेंद्र ने इस जमीन से जुड़े मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर शिकायत की थी। पुलिस रवि तिवारी और उसके साथी ओमकार को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है और हत्या की साजिश में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। धीरेंद्र मूल रूप से उन्नाव के रहने वाले थे। वह महाराणा प्रताप चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष होने के साथ प्रॉपर्टी और ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते थे। वह लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र में रहते थे।

धीरेंद्र को बांगरमऊ विधानसभा सीट से पूर्व विधायक रहे

कुलदीप सिंह सेंगर का करीबी भी बताया जाता था।

सेंगर के लखनऊ जिला जेल में बंद रहने के दौरान धीरेंद्र के उनसे मिलने जाने और मुकदमों की पैरवी करने की बात सामने आई है। सोशल मीडिया पर भाजपा के कई बड़े नेताओं के साथ धीरेंद्र की तस्वीरें भी वायरल हो रही हैं।

बाराबंकी में मंच टूटा, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी गिरे

माला पहनाते ही गिरा मंच, 3 लोगों को मामूली चोट, 150 गाड़ियों के काफिले में पहुंचे थे

- कार्यकर्ताओं की भीड़ इतनी ज्यादा थी कि हरीश द्विवेदी को मंच तक पहुंचने में काफी दिक्कत हुई।
- ब्लॉक प्रमुख ने जैसे ही माला पहनाया मंच पर भीड़ बढ़ी और भरभराकर गिर गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में सोमवार को स्वागत समारोह का मंच टूट गया। इसमें भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, MLC अंगद सिंह और कार्यकर्ता नीचे गिर गए। यहां राष्ट्रीय महामंत्री के लिए कार्यक्रम रखा गया था। घटना दोपहर करीब 12:25 बजे

हुई।जिले में 12 जगह हरीश द्विवेदी का स्वागत होना था। 4 जगह कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वो लखनऊ-अयोध्या मार्ग में चौपला पर रुके। यहां स्वागत के लिए मंच तैयार किया गया था। हजारों कार्यकर्ताओं की भीड़ थी। मंच पर जैसे ही हरीश द्विवेदी पहुंचे और उन्हें माला पहनाई गई तो भीड़ बढ़ गई और मंच भरभराकर गिर गया। इसमें 3 कार्यकर्ताओं को मामूली चोट आई है। 17 अगस्त को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किए जाने के बाद हरीश द्विवेदी का जगह-जगह स्वागत किया जा रहा है। आज उनका बाराबंकी-अयोध्या होते हुए आजमगढ़ तक कई जगह स्वागत होना था। 150 गाड़ियों के काफिले के साथ वो लखनऊ से निकले। बाराबंकी में 4 जगह स्वागत होने के बाद वह चौपला पर रुके। यहां भी मंच तैयार किया गया था। स्वागत के लिए MLC अंगद सिंह, ब्लॉक प्रमुख रामनगर संजय तिवारी, केपी तिवारी समेत हजारों कार्यकर्ता फूल-माला लेकर खड़े थे। जैसे ही काफिला चौपला पहुंचा स्वागत करने वालों में धक्का-मुक्की मच गई। किसी तरह से हरीश द्विवेदी को मंच पर पहुंचाया गया

सम्पादकीय

हिमालय की निगरानी

नेपाल में आई विनाशकारी आपदा केवल इस देश के लिए ही आघातकारी नहीं है। यह भारत के लिए भी दुख और चिंता का कारण बनी है। एक तो इसलिए, क्योंकि इस आपदा में बड़ी संख्या में भारतीयों ने भी अपनी जान गंवाई है और दूसरे इसलिए कि नेपाल की नदियां जब भी उफनाती हैं तो वे बिहार और उत्तर प्रदेश के एक हिस्से में भी बाढ़ का कारण बनती हैं।

इन स्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि भारत और नेपाल आपस में मिलकर ऐसे किसी तंत्र की स्थापना करें, जिससे हिमालय में होने वाले हिमस्खलन और भूस्खलन की सतत निगरानी की जा सके। इस निगरानी की आवश्यकता केवल इसलिए नहीं है कि हिमालय एक नाजुक पर्वतीय संरचना है, बल्कि इस कारण भी है कि यह वह क्षेत्र है जो ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियरों को लगातार पिघलता हुआ देख रहा है। वैसे तो ये ग्लेशियर कई नदियों के उद्गम स्थल हैं, लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के चलते जब वे अचानक तेजी से पिघलते हैं तो पर्वतीय नदियों में विनाशकारी बाढ़ का कारण बनते हैं। ऐसी बाढ़ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लेकर पूर्वोत्तर में भी देखने को मिल चुकी है। ग्लेशियरों में टूट-फूट का सिलसिला तेज होने के कारण वैसी आपदाओं की आशंका बढ़ गई है, जैसी पिछले दिनों तिब्बत और नेपाल में देखने को मिली। ग्लेशियरों के टूटने-पिघलने से पर्वतीय नदियों में अचानक आने वाली बाढ़ इसलिए कहीं अधिक विनाशकारी हो जाती है, क्योंकि उनके तटों पर आबादी की बसाहट बढ़ती जा रही है। आबादी की यह बसाहट नदियों के किनारों पर अतिक्रमण का कारण भी बनती है। स्पष्ट है कि पर्वतीय क्षेत्रों में नदियों किनारे होने वाली बसाहट पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो आने वाले समय में हिमालय क्षेत्र की पर्वतीय नदियों में अचानक आने वाली बाढ़ कहीं अधिक जन-धन हानि का कारण बनेगी।

वैसे तो आवश्यकता इस बात की है कि हिमालयी क्षेत्र के सभी देश ग्लेशियरों की निगरानी के लिए कोई साझा तंत्र विकसित करें, लेकिन इसमें संदेह है कि सभी देश और विशेष रूप से चीन इसमें स्वेच्छा से शामिल होने के लिए आगे आए। ऐसे में कम से कम भारत, नेपाल और भूटान को तो एकजुट होना ही चाहिए। हिमालय क्षेत्र में होने वाली दुर्घटनाएं लगातार यह संकेत कर रही हैं कि हिमालयी आपदाओं को किसी राष्ट्र विशेष की सीमा में नहीं सीमित किया जा सकता।

हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में हजारों ग्लेशियर और झीलें हैं। इन सभी की निगरानी की आवश्यकता कहीं अधिक बढ़ गई है। एक समय हिमालय की चोटियों पर होने वाले बदलाव की निगरानी करना कठिन था, लेकिन आज ऐसी तकनीक उपलब्ध है, जिससे यह काम कहीं अधिक आसानी से किया जा सकता है। अब इसे किया ही जाना चाहिए।

भागवत की अमेरिका यात्रा भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

> अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि हैं। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ। न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है। भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान भी मिलना चाहिए। संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रामक भाषा में देने के बजाय मानव एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैश्विक हो गई है। मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला।

- ललित गर्ग

विचार विषाक्तता

आज के समय में विचार विषाक्तता को मैं उलट रूप में कहूँ तो कोई अतिशोक्ती नहीं होगी । आधुनिक युग में चाल , चलन व सोच आदि में जितनी विषाक्तता या दोगलापन आदि होगी विचारों की वह मानव उतना ही सफल व प्रसिद्धी को प्राप्त करता हैं । हर तरफ़ से सभी यही कहने लग जाते हैं की इसका क्या कहना व इनके लिये पूछने की क्या जरूरत है आदि - आदि । उसके घर में आयें कोई तो उसको इस तरह बातों के झाँसे में या चकरी में ले लेते हैं की सामने वाला ख़ुद ही अपनी सुधबुध खो बैठता है और वह सभी तरह से उनसे अलग ही तरीक़े से प्रभावित होकर के व उनमें चढ़ करके उनके घर से जाता है और इस तरह उनको सभी और से निरन्तर प्रसिद्धी मिलती रहती है । जबकी उसके ख़ुद के घर की स्थिति एकदम उलट होती है ।घर में रुपये - रुपये के लिये मोहताज व लोक दुनिया में इतना अच्छा ख़ासा नाम जबकि उसकी सच्चाई से सही से कोई वाक़िफ़ नहीं होता । जानते सब हैं अपने हिसाब से ख़ुद का परिवार , कुटुम्ब , समाज आदि सब परन्तु ख़ुद के व दूसरे स्वार्थ वश आदि से उसको बढ़ावा देते रहते हैं इससे भी मज़ेदार बात और यह है की विषाक्तता विचार की दूसरे भी अपनाकर अपना काम निकालते है और इस तरह इस राह में वो भी आगे बढ़ते जाते है । यह जो देखा - देखी का ज़हर फैल रहा है वह सभी को सभी तरीक़े से अन्दर ही अन्दर खोखला कर रहा है वह खाये जा रहा है । यह सभी के लिये चिन्ताजनक व दुखदायी स्थिति है यह किसी की व्यक्तिगत बात नहीं हैं बल्कि कितनो को इस तरह हम देख , समझ व अनुभव कर सकते हैं । इस तरह इन सब के लिये जीमेदार कौन ? तपस्वी साधु राजा प्रेसन जीत ने अपने विचारों से सातवी नरक का दरवाज़ा खटखटाया और वही ने विचारों से मुक्ति का सेहरा लगाया । विचार ये भी, विचार वो भी थे परन्तु अंतर गणित भी नही बता पाया। मन से उपजते विचार या मन का ही विचार अतित में भटकता और वह ही भविष्य की करता व सोचता और निषेधात्मक का करता सभी तरीक़े से बुरा हाल । वर्तमान में रहना उसे जमता कम इसलिये सकारात्मक सोच में कहाँ उसका सही से रमता मन ।

> प्रदीप छाजेड़

रक्षा और सुरक्षा के...

अशोक भाटिया

मध्य एशिया में भारत का रणनीतिक अभ्युदय और उज्बेकिस्तान यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय उज्बेकिस्तान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता मात्र नहीं थी, बल्कि यह बदलते वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत के बढ़ते रणनीतिक प्रभाव का एक ठोस घोषणापत्र बनकर उभरी है। ताशकंद के कुकसारोय राष्ट्रपति पैलेस में आयोजित एक विशेष गरिमामयी समारोह में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव द्वारा पीएम मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओल्ती दारजाली दोस्तलिक' प्रदान किया जाना, इस बात का सीधा प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते अब सामान्य द्विपक्षीय विमर्श से कहीं आगे निकलकर एक प्रगाढ़ और अटूट रणनीतिक साझेदारी का रूप ले चुके हैं। प्रधानमंत्री का यह 36वां अंतर-राष्ट्रीय सम्मान वैश्विक पटल पर भारत की बढ़ती स्वीकार्यता और 'विश्वमित्र' की उसकी साख को और पुख्ता करता है। हालांकि, इस ऐतिहासिक यात्रा का वास्तविक मूल्यांकन केवल प्रतीकों और मेडल से नहीं, बल्कि उन रणनीतिक, आर्थिक और ऊर्जा समझौतों से होना चाहिए जो भारत के दीर्घकालिक हितों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। उज्बेकिस्तान को मध्य एशिया का हृदय स्थल माना जाता है और इस भू-भाग में अपनी पैठ मजबूत किए बिना भारत अपने यूरेशियाई सपनों को साकार नहीं कर सकता। इस यात्रा का सबसे बड़ा और गेम-चेंजर नतीजा यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक स्थायी रणनीतिक ढांचे का निर्माण होना है। भारत अपनी स्वच्छ ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं और परमाणु ऊर्जा क्षमताओं के विस्तार के लिए बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन से इतर विकल्पों की तलाश कर रहा है। उज्बेकिस्तान दुनिया के शीर्ष यूरेनियम उत्पादक देशों में शामिल है, और वहां से परमाणु ईंधन की निर्बाध आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होना भारत की भावी ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। इस एकल समझौते ने भारत को ऊर्जा के मोर्चे पर एक बड़ी आत्मनिर्भरता और विविधता प्रदान की है। इसके साथ ही, दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक अपग्रेड कर दिया है। यह केवल एक शब्दावली नहीं है, बल्कि इसके तहत दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 5 अरब डॉलर तक ले जाने का एक अत्यंत महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियां 1 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुकी हैं और संयुक्त उपक्रमों में सात गुना की भारी बढ़ोतरी देखी गई है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण अब केवल कागजी समझौतों तक सीमित रहने का नहीं है, बल्कि उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया है कि समझौतों को फाइलों की धूल से निकालकर धरातल पर क्रियान्वित किया जाना चाहिए। इसी सोच के तहत भारत ने अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और शहरी नियोजन के अनुभवों को उज्बेकिस्तान के साथ साझा करने की प्रतिबद्धता जताई है। उज्बेकिस्तान द्वारा बनाए जा रहे 'न्यू ताशकंद' शहर के विकास में भारत अपने गुजरात के गिफ्ट सिटी के सफल मॉडल, आधुनिक तकनीक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के अनुभवों का उपयोग करने का अवसर दे रहा है।

रक्षा और सुरक्षा के मोर्चे पर भी इस यात्रा ने एक नई इबारत लिखी है। दोनों देशों ने अपनी रक्षा प्रणालियों को सह-विकास और संयुक्त उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अपनी रक्षा उद्योगों को प्रोत्साहित करने का फैसला किया है। आतंकवाद, कट्टरपंथ और अलगाववाद जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए दोनों देशों का एक साथ आना मध्य एशियाई क्षेत्र की स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत ने कनेक्टिविटी की बाधाओं को दूर करने के लिए डिजिटल भुगतान प्रणाली के विस्तार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आयुर्वेद के क्षेत्र में भी उज्बेकिस्तान के साथ 11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा, अरल सागर क्षेत्र में पर्यावरण पुनर्वास के लिए भारत द्वारा 1 मिलियन डॉलर का अनुदान देना यह साबित करता है कि भारत इस क्षेत्र के केवल आर्थिक दोहन में नहीं, बल्कि इसके सतत विकास में भी अपनी जिम्मेदारियां समझता है। सांस्कृतिक कूटनीति के स्तर पर, ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में आईसीसीआर संस्कृत चेयर की स्थापना और प्राचीन बौद्ध विरासत स्थलों के संरक्षण की पहल ने दोनों सभ्यताओं के ऐतिहासिक जुड़ाव को पुनर्जीवित किया है।

निवेश की नई उड़ान से औद्योगिक विकास के पथ पर बरेली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में चलाए जा रहे अभियान का सकारात्मक प्रभाव बरेली जनपद में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) 5.0 के माध्यम से जनपद में औद्योगिक निवेश को नई गति मिली है और बड़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर रहे हैं।

जीबीसी-5.0 के अंतर्गत बरेली के लिए 15 हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार जनपद में अब तक 337 एमओयू के माध्यम से 19,637 करोड़ रुपये के निवेश के करार हुए हैं। इनमें से 228 कंपनियों द्वारा परियोजनाओं को धरातल पर उतारा जा चुका है, जिनके तहत लगभग 9,426 करोड़ रुपये का निवेश जमीन पर उतर चुका है। इन परियोजनाओं से लगभग 13,844 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना का दावा व्यक्त किया गया है।

15 हजार करोड़ रुपये के निर्धारित निवेश लक्ष्य के मुकाबले प्राप्त निवेश प्रस्तावों का आंकड़ा 19,637 करोड़ रुपये तक पहुंचना बरेली के औद्योगिक वातावरण में बढ़ते निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है। उद्योग विभाग द्वारा निवेशकों से निरंतर संवाद, उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने से निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने में तेजी आई है। यही कारण है कि जनपद को प्राप्त निवेश प्रस्तावों में भी बड़ी संख्या में परियोजनाएं संचालित हो चुकी हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि बरेली अब केवल निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने वाला जनपद नहीं, बल्कि निवेश को वास्तविक औद्योगिक इकाइयों में बदलने वाले प्रमुख जिलों में अपनी पहचान बना रहा है। जनपद में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं। उपलब्ध विवरण के अनुसार कई उद्यमियों ने करोड़ों रुपये की परियोजनाएं स्थापित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया है। रियल एस्टेट एवं हाउसिंग, रिटेल, शिक्षा, डेयरी तथा खाद्य प्रसंस्करण सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश परियोजनाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है। बड़े निवेश के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ये इकाइयां स्थानीय युवाओं को उनके गृह जनपद में ही रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्थानीय कच्चे माल, परिवहन, सेवाओं और अन्य सहायक गतिविधियों की मांग को बढ़ावा देती हैं। निवेश परियोजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन एवं उद्योग विभाग द्वारा निवेशकों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। भूमि, विद्युत, अनापत्ति प्रमाण पत्र, लाइसेंस तथा अन्य विभागीय अनुमतियों से संबंधित समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की यह कार्यप्रणाली बरेली में औद्योगिक विकास की नई संभावनाओं को मजबूत कर रही है। शासन स्तर पर भी जीबीसी-5.0 के निवेश को प्रत्येक जनपद तक पहुंचाने तथा निवेशकों की समस्याओं का समय से समाधान करने पर जोर दिया गया है।

जरा हटके

पूर्व में मटर की बुवाई...

डॉ. मनोज चंद्रा

नवोन्मेषी खेती से झांसी जनपद के श्री राम किशुन ने मटर उत्पादन में रचा नया कीर्तिमान

किसानों की आय दोगुनी करने एवं उन्हें "अन्नदाता से उद्यमी" बनाने के लक्ष्य के साथ प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में लगातार कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार की किसान-हितैषी नीतियों, समयबद्ध अनुदान और आधुनिक तकनीक के प्रसार ने झांसी सहित पूरे बुंदेलखंड के किसानों को नई दिशा दी है, जिसके परिणामस्वरूप मटर, सरसों तथा अन्य फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। झांसी जनपद के विकास खण्ड बामौर के ग्राम परसुवा के प्रगतिशील किसान श्री राम किशुन की सफलता गाथा, उत्तर प्रदेश सरकार के इन्हीं सतत प्रयासों का प्रेरक उदाहरण है। श्री राम किशुन ग्राम परसुवा, विकास खण्ड बामौर, जनपद झांसी के मूल निवासी हैं। वे उच्च माध्यमिक तक शिक्षित हैं तथा लघु श्रेणी के कृषक होने के बावजूद खेती को ही अपनी मुख्य आजीविका मानकर पूरी निष्ठा से खेती-बाड़ी में लगे हैं। सीमित संसाधनों के साथ भी उन्होंने परंपरागत खेती को छोड़कर वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने का साहस दिखाया, जिससे उनकी पहचान क्षेत्र के नवाचारी किसान के रूप में बनने लगी।

श्री राम किशुन लघु श्रेणी के कृषक हैं तथा उनके पास लगभग 1.160 हे० कृषि योग्य भूमि है। वे सिंचाई के लिए उपलब्ध संसाधनों एवं स्प्रिंकलर सेट का उपयोग करते हैं तथा समय पर सिंचाई और पोषण प्रबंधन पर विशेष ध्यान देते हैं। खेतों में वे मटर, चना, गेहूं आदि फसलों की वैज्ञानिक ढंग से बुवाई करते हैं, बीजोपचार, संतुलित उर्वरक प्रयोग तथा कीट-रोग प्रबंधन के लिए विभागीय परामर्श का पालन करते हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसान श्री राम किशुन को उन्नत बीज, प्रदर्शन प्लॉट, प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन का लाभ मिला, जिससे उनकी खेती में उल्लेखनीय सुधार आया है। विभाग द्वारा आयोजित कृषक गोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी से उन्होंने मटर की उच्च उत्पादक किस्में, उचित बीज दर, कतारों में बुवाई, विधिवत सिंचाई तथा समेकित पोषक तत्व प्रबंधन जैसी उन्नत तकनीकों को अपनाया। झांसी क्षेत्र में दलहनी फसलों, विशेषकर मटर की वैज्ञानिक खेती पर बल दिए जाने से उन्होंने समय पर बुवाई, निराई-गुड़ाई, रोग-कीट नियंत्रण और फसल कटाई की वैज्ञानिक विधियों को अपनाकर उत्पादन क्षमता में बड़ा सुधार किया।

पूर्व में मटर की बुवाई परंपरागत तरीके से होने के कारण प्रति हेक्टेयर उत्पादन सामान्य स्तर तक ही सीमित था, जिससे शुद्ध लाभ में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही थी। उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं एवं कृषि विभाग के वैज्ञानिक मार्गदर्शन के तहत उन्होंने प्रमाणित बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग, यांत्रिक कतार बुवाई तथा कीट-रोग प्रबंधन जैसी तकनीकों को व्यवस्थित रूप से अपनाया। परिणामस्वरूप उन्होंने मटर की उन्नत प्रजाति (केएनएफएफ-एमएसआर-522) की खेती में प्रति हेक्टेयर '44.20 कुंतल' की उल्लेखनीय उपज प्राप्त की, जो अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई। श्री राम किशुन ने राज्य स्तरीय फसल प्रतियोगिता में मटर फसल की उपज के आधार पर मटर प्रजाति केएनएफएमएसआर-522 में '44.20 कुंतल प्रति हेक्टेयर' उत्पादन प्राप्त कर 'प्रथम स्थान' हासिल किया। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें 01 लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि, प्रशस्ति पत्र एवं शाल' प्रदान कर सम्मानित किया जा रहा है, जिससे वे स्वयं तो गौरवान्वित हुए ही हैं, साथ ही पूरे जिले और प्रदेश का मान भी बढ़ा है। राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली प्रशिक्षण सुविधाएँ, तकनीकी मार्गदर्शन, बीज एवं अन्य कृषि सामग्रियों पर अनुदान, तथा फसल प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रोत्साहन ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री राम किशुन की सफलता ने यह सिद्ध किया है कि यदि किसान उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर आधुनिक कृषि तकनीकों, प्रमाणित बीज, वैज्ञानिक सिंचाई तथा उन्नत प्रबंधन पद्धतियों को अपनाएँ, तो सीमित भूमि पर भी अत्यधिक लाभदायक खेती की जा सकती है। झांसी जैसे अर्ध-शुष्क क्षेत्र में मटर जैसी दलहनी फसल में रिकॉर्ड उत्पादन प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश सरकार द्वारा "बीज से बाजार तक" की सोच, किसान-हितैषी नीतियाँ और तकनीकी सहयोग गाँव-गाँव के किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

मोबाइल फोन : साल, दो साल का साथी, फिर बनता बहुआयामी बर्बादी

आज से दस साल पहले फोन का मतलब सिर्फ कॉल और संदेश था पर आज सुबह के अलार्म से लेकर रात तक हमारी पूरी जिंदगी इसी छोटे से डिब्बे में बंद है। उसी में हमारा बैंक है, बच्चों की पढ़ाई है, दुकान का हिसाब है, जमीन के कागज हैं और परिवार की यादें भी हैं पर कभी सोचा है कि जिस चीज पर इतनी बड़ी जिंदगी टिकी है, उसकी उम्र कौन तय करता है? हम या उसे बनाने वाली कंपनी? अगर आप ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे कि उसकी उम्र हम नहीं, कंपनी तय करती है।

आप तीस-चालीस हजार का फोन लाते हैं, पहले साल वह मक्खन जैसा चलता है, दूसरे साल भी ठीक रहता है, पर दूसरे साल के आखिर में ही संकेत मिलने लगते हैं। कंपनी कहती है अब इस मॉडल को बड़ा अपडेट नहीं मिलेगा, फिर कुछ महीनों बाद सुरक्षा अपडेट भी बंद हो जाते हैं। फोन गर्म होने लगता है, बैटरी जल्दी खत्म होती है, बैंक का ऐप कहता है आपका सिस्टम पुराना और असुरक्षित है। नया कैमरा फीचर आपके फोन में आता ही नहीं। मन में डर बैठ जाता है कि फोन बेकार हो गया और आप मजबूरी में नया फोन लेने चले जाते हैं जबकि फोन टूटा नहीं है, खराब भी नहीं है। उसे सिर्फ पुराना साबित कर दिया गया है। यह कोई तकनीकी मजबूरी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी व्यापारिक रणनीति है जिसे दुनिया में प्लांड ऑब्सोलेसेंस कहा जाता है, यानी चीज को तय समय पर बेकार बना देना ताकि नया सामान बेचा जा सके। यह रणनीति कैसे काम करती है, इसे समझना आसान है। इसका पहला हथियार है सॉफ्टवेयर अपडेट।

डॉ. शैलेश शुक्ला

'एक शहर, एक आवाज, 60 सेकंड: युवा रील्स के जरिए सुनाएंगे अपने शहर की कहानी

'विजिट माय स्टेट' के तहत 'जेन-जी' बनेंगे कल्चरल एम्बेसडर

- शहर की विरासत, खान-पान, परंपराएं और अल्पज्ञात पर्यटन स्थल होंगे युवा कहानीकारों की रील्स का हिस्सा
- युवा कहानीकार अपनी आवाज से दुनिया तक पहुंचाएं उत्तर प्रदेश की संस्कृति- जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। डिजिटल दुनिया में 'जेन-जी' की पसंद और उनकी आवाज संस्कृति व यात्रा के नए रुझान तय कर रही है। इसी बदलते दौर को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के युवाओं को अपने-अपने शहरों की संस्कृति, विरासत और खासियतों का प्रतिनिधि बनाने की पहल की है। 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के तहत उत्तर प्रदेश पर्यटन ने युवाओं से आह्वान किया है कि वे अपने शहर की अनकही कहानियों, स्थानीय संस्कृति और खास पहचान को अपनी आवाज में महज 60 सेकंड की रील के जरिए दुनिया के सामने लाएं। शहर के विरासत से जुड़ी अनकही कहानियां हों या स्थानीय व्यंजन का स्वाद, सदियों पुरानी परंपराएं हों या फिर पर्यटकों की नजरों से अब तक दूर रहे अल्पज्ञात स्थल, 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के जरिए प्रदेश को उन लोगों की नजर से दिखाने की तैयारी है, जो अपने शहर और उसकी पहचान को सबसे करीब से जानते हैं। स्थानीय निवासी खुद कैमरे के सामने आकर अपने शहर के विशेष अनुभव और विशेषताओं की कहानी के रूप में साझा कर सकते हैं।

डिजिटल माध्यम से पर्यटन को लगेंगे पंख

युवाओं के बीच पर्यटन स्थलों को खोजने और जानने के बदलते तरीकों को देखते हुए यूपी पर्यटन ने इस अभियान को रील्स के माध्यम से आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। वर्तमान समय में यात्रा की योजना बनाने से पहले युवा छोटे वीडियो, लोगों के अनुभवों और कंटेंट क्रिएटर्स की राय को तेजी से महत्व दे रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर साझा होने वाले ऐसे अनुभव न सिर्फ लोकप्रिय पर्यटन स्थलों को विशिष्ट पहचान दे रहे हैं, बल्कि अल्पज्ञात स्थलों को भी व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचा रहे हैं। 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान का उद्देश्य इसी डिजिटल रुचि को प्रदेश के पर्यटन से जोड़ते हुए नया आयाम देना है।

युवा बनेंगे अपने शहरों के सांस्कृतिक दूत- मंत्री

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं है। प्रदेश के हर जिले, शहर और गांव की अपनी अलग कहानी और पहचान है। यहां की स्थानीय खान-पान की परंपराएं, हस्तशिल्प, त्योहार, रीति-रिवाज, लोग और उनसे जुड़ी कहानियां उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'विजिट माय स्टेट' अभियान के जरिए प्रदेश की जेन-जी सहित अन्य युवाओं को अपने-अपने शहरों का सांस्कृतिक दूत बनाने की पहल की जा रही है।

दहेज हत्या के मामले में युवक गिरफ्तार, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 28 अगस्त 2026 को राम गुलाम पुत्र राम अवतार ने मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मु0अ0सं0 327/2026 के तहत धारा 80(2)/85 बीएनएस तथा 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा सूचना तंत्र की मदद से सोमवार, 31 अगस्त को मामले में नामजद आरोपी प्रमोद कुमार उर्फ लवकुश राजपूत (25) पुत्र हरिराम, निवासी ग्राम राजाखेड़ा, थाना मोहनलालगंज को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। मामले में शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज राम बाबू सिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम ने की।

फास्ट न्यूज

मां की अस्थियां लेकर जा रहीं दो बेटियों की मौत

कासगंज। यूपी में मां की अस्थियां विसर्जित करने जा रहे परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। 20 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सोमवार तड़के राजस्थान के करौली का रहने वाला परिवार सुआ देवी (62) की अस्थियां लेकर मैक्स पिकअप से सोरोंजी तीर्थ स्थल जा रहा था। कासगंज-मथुरा रोड पर पिकअप ने आगे चल रहे एक ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। बोनट पिचक गया।

चार मुकदमों में नामजद सीताराम छह माह के लिए जिला बदर

मथुरा। अपराधों में संलिप्तता के चलते जिला मजिस्ट्रेट चंद्र प्रकाश सिंह ने जैत थाना क्षेत्र के अशोक विहार, चौमुंहा निवासी सीताराम पुत्र बहादुर सिंह को छह माह के लिए जिला बदर कर दिया है। प्रशासन के अनुसार सीताराम के खिलाफ वृंदावन थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मुकदमे दर्ज हैं। रोकने और धमकी देने तथा वृंदावन थाने में अपहरण सहित अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। जिला मजिस्ट्रेट ने उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम-1970 के तहत कार्रवाई करते हुए सीताराम को छह माह के लिए जनपद से निष्कासित किया है।

सुभाष मार्केट की 3 दुकानें कल होंगी ध्वस्त

आगरा। आगरा में सुभाष मार्केट में नाले के ऊपर और किनारे बनी दुकानों को ध्वस्त करने के लिए नगर निगम मंगलवार को कार्रवाई करेगा। नाले के ऊपर बनी दुकान संख्या 5, 6 और 7 को ध्वस्त किया जाएगा। पिछले महीने बारिश के दौरान एक दुकान के नाले में समा गई थी, जिसमें गंगा देवी नाम की महिला की मौत हो गई थी। इसके बाद ही नगर निगम ने नाले को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्णय लिया है।

भाभी की बहन को घर में घुसकर गोली मारी, मौत

कानपुर में भाभी ने पति को थप्पड़ मारा था, बदला लेने देवर पहुंचा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में एक देवर ने घर में घुसकर अपनी भाभी की बहन की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने महिला के सीने और पेट के बीच तमंचा सटाकर गोली मारी और साथियों के साथ फरार हो गया। परिजन घायल महिला को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात शहर के कैंट थाना क्षेत्र की है। दरअसल, रविवार शाम करीब 5 बजे भाभी का अपने पति से मायके में विवाद हो गया था। इस दौरान उसने पति को थप्पड़ मार दिया। करीब 2 घंटे बाद गुस्से में देवर अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा। उसने पूछा- भाई को किसने तमाचा मारा? इसके बाद भाभी और देवर में कहासुनी होने लगी। भाभी की बहन दोनों को शांत कराने के लिए बीच-बचाव करने लगी। इसी दौरान देवर ने तमंचा निकालकर उसे गोली मार दी। गोली लगते ही महिला जमीन पर गिर गई। आरोपी इसके बाद फरार हो गए। पुलिस ने मृतका की छोटी बहन की तहरीर पर आरोपी देवर, जीजा समेत 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। कैंट के सत्तीचौरा में सुशीला अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनके पति ओमप्रकाश को बोलने और सुनने में दिक्कत है। दंपती की 4 बेटियांऔर एक बेटा है।

मुख्यमंत्री आवास से तत्काल अस्पताल भेजी गईं पीड़िता, शुरू हुआ इलाज

भाई ने बताई बहन की तकलीफ तो मुख्यमंत्री ने तुरंत लोहिया अस्पताल में कराया भर्ती

- मुख्यमंत्री ने जल्द से जल्द आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का दिया आश्वासन
- सीएम योगी ने कहा- धन की कमी के कारण नहीं रुकेगा किसी का इलाज
- सीएम योगी और बच्ची के बीच संवाद से खिलखिला उठे हॉल में मौजूद लोग, सभी ने सीएम के वात्सल्य की प्रशंसा की

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अति मानवीय रूप देख अन्य आगंतुक अपनी पीड़ा भूल गए। सीएम योगी का यह रूप देख किसी की भावनाएं आंसुओं के जरिए निकल पड़ीं तो किसी ने अपनी कुर्सी से ही हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता के प्रति आभार जताया। दरअसल अयोध्या से आए एक भाई-बहन जनता दर्शन में पहुंचे। भाई ने मुख्यमंत्री से बताया कि उनकी बहन गंभीर रूप से बीमार हैं। वह बहन को लेकर लखनऊ आए हैं, उन्हें जल्द से जल्द इलाज की आवश्यकता है। इस पर मुख्यमंत्री ने पीड़िता को तत्काल लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज भी शुरू हो गया है। अयोध्या से आए श्याम सोनकर ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनकी बहन बबिता कुछ दिनों से अयोध्या में भर्ती थीं।

धन की कमी के कारण नहीं रुकेगा किसी का इलाज

'जनता दर्शन' में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण कराकर शासन में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि धन की कमी के कारण किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

सिंगर हत्याकांड के 2 शूटर एनकाउंटर में ढेर

अंकित के पिता बोले- आधा इंसाफ मिला, आधा बाकी

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड के 2 शूटरों को यूपी पुलिस ने सोमवार सुबह मुठभेड़ में मार गिराया। शामली एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों शूटर बाइक से शामली से सोनीपत (हरियाणा) की तरफ भाग रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दोनों को घेर लिया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस को भी फायरिंग करनी पड़ी। दोनों तरफ से करीब 20 राउंड गोलियां चलीं। इसमें बदमाश सुमित (24) और मोहित (22) को गोली लग गई। पुलिस दोनों को जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दोनों सोनीपत के रहने वाले थे और उन पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था। सुमित पर एक और मोहित पर 15 मुकदमे दर्ज थे। दोनों ने अपने 2 साथियों के साथ सिंगर की हत्या की थी। वहीं 2 आरोपी सत्यम और आर्यन अब भी फरार हैं। 26 अगस्त की शाम 32 साल के सिंगर अंकित बालियान शामली में जिम करके निकले थे। तभी हमलावरों ने उन्हें घेरकर 18 राउंड फायरिंग की थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने अंकित को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। अंकित के पिता सतबीर ने संवाददाता से कहा, 'अभी आधा इंसाफ मिला। अब उम्मीद है कि पूरा इंसाफ मिल जाएगा। पहले उम्मीद धीरे-धीरे डगमगाने लगी थी। बाकी बचे दोनों आरोपियों को और मारो, तभी हमें तसल्ली होगी। अब पुलिस और योगीजी पर हमारा विश्वास बढ़ गया है। 5-6 दिन हो गए थे।

तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित, योगी सरकार की पारदर्शी और डिजिटल खरीद व्यवस्था को मिली राष्ट्रीय पहचान

यूपी की ऐतिहासिक छलांग, जेम पर ₹1 लाख करोड़ से अधिक की खरीद

तमसा संकेत, संवाददाता

उत्तर प्रदेश की इस उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता मिली है। 10 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित जेम के 10वें स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्तर प्रदेश को सार्वजनिक खरीद के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया। उत्तर प्रदेश को मिले पुरस्कारों में- जेम ओवरऑल एक्सीलेंस अवार्ड, हाईएस्ट जेम प्रोक्योरमेंट वैल्यू और बेस्ट आउटरीच बिल्डिंग अवार्ड शामिल हैं। इन पुरस्कारों को उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव शशिभूषण लाल सुशील ने प्राप्त किया।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक खरीद व्यवस्था में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य ने गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) पर वर्ष 2017 में इसकी स्थापना से अब तक 1 लाख करोड़ (1 ट्रिलियन) से अधिक की खरीद दर्ज कर नया रिकॉर्ड बनाया है। देश के सभी राज्यों द्वारा जेम के माध्यम से की गई कुल खरीद में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से अधिक है। यह उपलब्धि प्रदेश में डिजिटल गवर्नेंस, ट्रांसपेरेंसी, एफिशियंसी और इन्क्लूसिव पब्लिक प्रोक्योरमेंट को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार की नीतियों की प्रभावशीलता को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि केवल सरकारी खरीद के आंकड़े तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे योगी सरकार के गुड गवर्नेंस और डिजिटल गवर्नेंस मॉडल की महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। जेम के व्यापक उपयोग से सरकारी विभागों की खरीद प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी, सरल और जवाबदेह बनाने में मदद मिली है। सरकारी खरीद में डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक प्रक्रियाओं में होने वाली जटिलताओं को कम करने, अधिक विक्रेताओं को प्रतिस्पर्धा का अवसर देने और सरकारी संस्थानों को बेहतर कीमत पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। जेम पर 1 लाख करोड़ से अधिक की खरीद यह दर्शाती है कि उत्तर प्रदेश के सरकारी विभागों और सार्वजनिक संस्थानों ने डिजिटल खरीद व्यवस्था को बड़े पैमाने पर अपनाया है। इसके माध्यम से खरीद प्रक्रिया में ट्रांसपेरेंसी, कम्पीटीशन, एफिशियंसी और 'वैल्यू फॉर मनी' को मजबूत करने पर जोर दिया गया है।

क्षमता निर्माण पर भी जोर

उत्तर प्रदेश की सफलता में ट्रेनिंग और कैपेसिटी बिल्डिंग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राज्य में समय-समय पर अधिकारियों, विभागों और अन्य हितधारकों के लिए व्यापक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, ताकि जेम की सुविधाओं और प्रक्रियाओं का अधिक प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जा सके। इसी दिशा में किए गए प्रयासों को 'बेस्ट आउटरीच इनिशिएटिव फॉर कैपेसिटी बिल्डिंग' राष्ट्रीय पुरस्कार के माध्यम से मान्यता मिली है। उत्तर प्रदेश सरकार और जेम के बीच लगातार बेहतर होते समन्वय ने प्रदेश में सार्वजनिक खरीद सुधारों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीद प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी, समावेशी और परिणाम आधारित बनाने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं।

आयोजन : पेटेंट के जरिए नए विचारों को नवाचार में बदलने पर जोर

बरेली कॉलेज में बौद्धिक संपदा अधिकार पर ऑनलाइन कार्यशाला

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली की ओर से भारतीय भौतिकी शिक्षक परिषद (IAPT) की क्षेत्रीय परिषद-04, उत्तर प्रदेश के सहयोग से "बौद्धिक संपदा अधिकार: विचारों को नवाचार में परिवर्तित करने में पेटेंट का महत्व" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को बौद्धिक संपदा अधिकार, पेटेंट प्रक्रिया और शोध एवं नवीन विचारों के संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यशाला के मुख्य संसाधन व्यक्ति भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के पेटेंट एवं डिजाइन के सहायक नियंत्रक डॉ. कुमार कार्तिकेय यादव रहे।

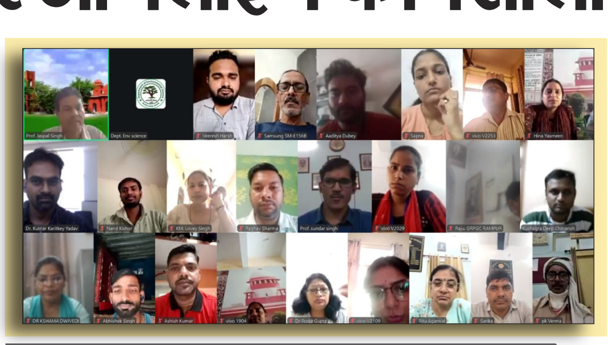

ऑनलाइन माध्यम से 150 से अधिक प्रतिभागी जुड़े

सह-आयोजन सचिव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रभारी प्रो. जसपाल सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं के माध्यम से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अपने नवीन विचारों के संरक्षण तथा पेटेंट प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी मिलती है। कार्यशाला में IAPT की महामंत्री प्रोफेसर रेखा घोरपड़े सहित महाराष्ट्र, उत्तराखंड, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से शिक्षक एवं शोधार्थी ऑनलाइन शामिल हुए। कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन जुड़कर सक्रिय सहभागिता की।

मुख्य संरक्षक और प्राचार्य का रहा मार्गदर्शन

कार्यक्रम का आयोजन बरेली कॉलेज की मैनेजिंग कमेटी के सचिव एवं मुख्य संरक्षक श्री देवमूर्ति जी के संरक्षण में किया गया। वहीं कॉलेज के संरक्षक एवं प्राचार्य प्रो. ओ. पी. राय का मार्गदर्शन भी कार्यशाला के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण रहा। आयोजन सचिव एवं विधि विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अर्पित यादव ने कार्यशाला के आयोजन और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तकनीकी टीम ने संभाली ऑनलाइन व्यवस्था

कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने पेटेंट, बौद्धिक संपदा अधिकार, शोध कार्यों के संरक्षण और नवाचार से संबंधित विभिन्न सवाल पूछे। मुख्य संसाधन व्यक्ति डॉ. कुमार कार्तिकेय यादव ने प्रतिभागियों के सवालों का विस्तारपूर्वक जवाब दिया और पेटेंट प्रक्रिया से जुड़े उनके संदेहों को दूर किया। प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों को विषय की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई।

तकनीकी टीम ने संभाली ऑनलाइन व्यवस्था

कार्यशाला के ऑनलाइन संचालन और लाइव प्रसारण को सफल बनाने में तकनीकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभिषेक गौतम, अंजली, हर्षित तिवारी, निकिता त्रिपाठी और प्रदीप राणा ने तकनीकी व्यवस्थाओं और ऑनलाइन प्रसारण को सुचारु रूप से संचालित करने में सहयोग किया।

जलभराव और आपसी विवाद की सूचना पर गांव खडेरा पहुंची प्रशासनिक टीम

मार्ग एवं नालियों का किया निरीक्षण, समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों ने दिए आवश्यक निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा /बलदेव। गांव खडेरा में जलभराव और आपसी विवाद की समस्या की सूचना पर सोमवार को प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। नायब तहसीलदार प्रद्युम्न त्रिपाठी,बलदेव खंड विकास अधिकारी नेहा रावत, ग्राम विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारियों ने गांव का निरीक्षण कर मार्गों एवं नालियों की स्थिति देखी और समस्या के समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कुछ ग्रामीणों से अधिकारियों की नोकझोंक भी हुई।

अधिकारियों ने संयम बरतते हुए स्थिति को संभाला और जलभराव की समस्या को प्राथमिकता से दूर कराने के निर्देश संबंधित कर्मचारियों को दिए। खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा और जलनिकासी की व्यवस्था प्रशासन की प्राथमिकता है। सफाई एवं जलनिकासी कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न होती है तो पुलिस बल की मौजूदगी में कार्य कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को मार्ग एवं नालियों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। प्रशासनिक टीम ने मौके पर स्थिति का जायजा लेकर समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एत्मादपुर के रहनकला गांव का मामला, लड़का शादीशुदा था, युवती का रिश्ता तय हो गया था

एक फंदे पर लटके मिले प्रेमी-प्रेमिका

आत्महत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के एत्मादपुर थाना क्षेत्र के रहना कला गांव में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक घर के कमरे में युवक और युवती के शव फंदे से लटके मिले। दोनों के शव एक ही कमरे में चुन्नी के सहारे लटके हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे। बताया जा रहा है कि युवक पहले से शादीशुदा था, जबकि युवती का कुछ दिन पहले ही परिवार की

ओर से रिश्ता तय किया गया था। पुलिस फिलहाल दोनों की मौत के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस की शुरुआती जांच में दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की बात सामने आई है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आखिर ऐसी कौन-सी परिस्थितियां बनीं, जिनके चलते दोनों ने इतना बड़ा कदम उठाया। पुलिस युवक की शादी और युवती का रिश्ता तय होने के पहलू को भी जांच में शामिल कर रही है। दोनों के बीच कब से संबंध थे और घटना से पहले उनकी किस-किस से बातचीत हुई थी, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है।

मृतक के भाई रवि ने बताया कि उन्हें गांव वालों ने घटना की जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक घटनास्थल से अभी तक कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। ऐसे में दोनों ने आत्महत्या क्यों की, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस दोनों मृतकों के परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर रही है। साथ ही घटना से पहले दोनों की गतिविधियों और मोबाइल फोन की जानकारी भी जुटाई जा रही है।

सुबह करीब 7 बजे पुलिस को मिली सूचना

डीसीपी वेस्ट आदित्य कुमार के मुताबिक पुलिस को सोमवार सुबह करीब 7 बजे सूचना मिली थी कि रहना कला गांव में एक युवक और युवती ने आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही एत्मादपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने कमरे में जाकर देखा तो युवक और युवती के शव फंदे से लटके हुए थे। दोनों के आसपास अन्य मकान भी बने हुए हैं। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शवों को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दोनों ने रात के समय ही आत्महत्या की होगी। हालांकि मौत का सही समय पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

युवती के घर में मिले दोनों के शव

मृतकों की पहचान युवक प्रीतम और युवती इंद्रवती के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक प्रीतम रैपिडो में काम करता था और पहले से शादीशुदा था। वहीं इंद्रवती के परिजनों ने कुछ दिन पहले ही उसका रिश्ता तय किया था। बताया जा रहा है कि रविवार को इंद्रवती के माता-पिता किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे।

भाई बोला- हमें तो कुछ पता नहीं था

मृतक के भाई रवि ने बताया कि उन्हें भाई के प्रेम प्रसंग की जानकारी नहीं थी। उन्हें आज ही मालूम हुआ कि ऐसा मामला था। गांव के लोगों ने घटना की जानकारी दी। प्रीतम कल घर पर पत्नी को लेने ससुराल धौलपुर जाने की बात कहकर घर से निकला था। वो तो समझ रहे थे कि भाई ससुराल गया है। गांव के रिश्ते से भाई-बहन थे। मगर, दोनों परिवार का कोई सीधा रिश्ता नहीं है।

वृंदावन में पार्किंग का 'खेल'! श्रद्धालुओं से मनमानी वसूली के आरोप

छटीकरा मार्ग पर अन्नपूर्णा पार्किंग में विवाद का वीडियो चर्चा में

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी की नगरी में श्रद्धालुओं की सुविधा के नाम पर पार्किंग व्यवस्था ही परेशानी का सबब बनती जा रही है। शहर में जगह-जगह संचालित पार्किंगों पर मनमानी वसूली और नियमों की अनदेखी के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि शहर में तीन दर्जन से अधिक अवैध पार्किंग संचालित हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई के बजाय आंखें मूंदे बैठे हैं। ताजा मामला छटीकरा-वृंदावन मार्ग पर मल्टी स्टोरी पार्किंग के सामने संचालित अन्नपूर्णा पार्किंग का है। आरोप है कि यहां वाहन खड़ा कराने के नाम पर निर्धारित शुल्क से अधिक रकम वसूली जाती है। श्रद्धालुओं द्वारा विरोध किए जाने पर पार्किंग कर्मचारियों पर अभद्रता और विवाद करने के आरोप भी लगाए गए हैं। पार्किंग को लेकर कथित विवाद का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर चर्चा में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पार्किंग को भरने के लिए सड़क पर बैरियर लगाकर वाहनों को रोका जाता है। वाहन चालकों को पहले पार्किंग में खड़ा कराया जाता है, इसके बाद ही उन्हें आगे जाने दिया जाता है। इससे छटीकरा मार्ग पर यातायात प्रभावित होने और जाम की स्थिति बनने की शिकायतें सामने आ रही हैं। नियम किसके लिए, सवाल उठे लोगों का कहना है कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ वाले वृंदावन में पार्किंग संचालन के लिए निर्धारित नियम और मानक हैं, लेकिन कई स्थानों पर इनका पालन नहीं हो रहा है। आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से पार्किंग संचालकों के हौसले बढ़ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, अवैध पार्किंगों को चिन्हित कर कार्रवाई करने, निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली पर रोक लगाने और श्रद्धालुओं से अभद्रता के आरोपों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

फास्ट न्यूज

अलीगढ़ में कॉलेज में माली की मौत

अलीगढ़। अलीगढ़ के मडराक थाना क्षेत्र स्थित श्री राजेंद्र सिंह इंटरनेशनल कॉलेज में माली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार सुबह मौत की सूचना मिलने के बाद परिजन कॉलेज पहुंचे और हंगामा किया। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन पर अंकित की हत्या किए जाने का आरोप लगाया। परिजनों का कहना है कि अंकित ने आत्महत्या नहीं की है। उनका आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन या उससे जुड़े लोगों की वजह से उसकी जान गई है।

स्वामी हरिदास संगीत समारोह 18 सितंबर से

मथुरा। संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास समिति के बैनर तले श्री राधा अष्टमी पर्व पर दो दिवसीय संगीत एवं नृत्य महोत्सव का आयोजन 18 सितम्बर से किया जा रहा है। महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए समिति ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास समिति द्वारा विगत करीब दो दशकों से अधिक समय से विराट संगीत एवं नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत की अनंत गहराइयों से संगीत प्रेमियों को रूबरू कराने के उद्देश्य से समिति द्वारा ख्यातिलब्ध संगीत फनकारों के साथ उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाता है।

राष्ट्रवादी नवनिर्माण दल ने शुरू की 2027 की तैयारी

मथुरा। मथुरा में राष्ट्रवादी नवनिर्माण दल की जिला कार्यकारिणी की समीक्षा बैठक सोमवार को एक होटल में आयोजित की गई। दोपहर करीब 2 बजे हुई बैठक में संगठन के विस्तार और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक त्यागी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राष्ट्रीय महासचिव ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया।

विहिप ने गांव-गांव संगठन मजबूत करने की ठानी, 60 पंचायतों में समितियां गठित होंगी

छह सितंबर को स्थापना दिवस पर जुटेगा संगठन

तमसा संकेत, संवाददाता

बलदेव। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने की रणनीति तैयार की है। रविवार को बलदेव प्रखंड में हुई बैठक में आगामी छह सितंबर को विहिप स्थापना दिवस कार्यक्रम को भव्य रूप से आयोजित करने को लेकर मंथन किया गया। कार्यक्रम की तैयारियों, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बलदेव प्रखंड की सभी 60 ग्राम पंचायतों में विहिप समितियां गठित करने का संकल्प लिया गया। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से ग्राम स्तर तक संगठन का विस्तार करने और प्रत्येक पंचायत में समिति गठन की प्रक्रिया को गति देने का आह्वान किया। स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपने तथा व्यापक स्तर पर जनसंपर्क और तैयारियां करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में जिलाध्यक्ष योगेश गौतम, जिला संयोजक जितेंद्र, जिला गौ रक्षा प्रमुख सतीश, जिला सत्संग प्रमुख मनीष गर्गाचार्य, प्रखंड के भरत सारस्वत, बबलू चौधरी, सत्येंद्र पहलवान, डॉ. जगदीश पाठक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिपाही के भाई ने मेरा रेप किया, वीडियो बनाया

मुरादाबाद में युवती बोली- सिपाही भी शामिल था, पुलिस रुतबा देखकर दोनों को बचा रही है

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में एक युवती ने बुलंदशहर में तैनात एक सिपाही और उसके रिश्ते के भाई के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई है। युवती का आरोप है कि सिपाही के भाई ने उसके साथ रेप किया, जबकि सिपाही ने वारदात में उसका सहयोग किया। पुलिस ने सिपाही के खिलाफ बिना कार्रवाई के उसे छोड़ दिया और आरोपी के भाई को भी थाने से मदद मिल रही है। पीड़िता ने सोमवार को पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर मामले की विवेचना छजलैट थाना पुलिस से हटाकर किसी दूसरे थाने की पुलिस को सौंपने की मांग की है। युवती का कहना है कि उसे छजलैट पुलिस की जांच पर भरोसा नहीं है। हालांकि, छजलैट थाना प्रभारी का कहना है कि जांच में सिपाही की इस घटना में भूमिका साबित नहीं हुई। इसलिए

उसका नाम मामले से हटा दिया गया। वहीं, SSP सतपाल अंतिल ने कहा कि पीड़िता को न्याय दिलाया जाएगा। पीड़िता के मुताबिक, 11 जुलाई की शाम करीब 6 बजे वह घर पर मौजूद थी। इसी दौरान जुनैद और जीशान कथित तौर पर उसके घर में घुस आए। दोनों के हाथों में तमंचे थे। दोनों ने उसे धमकाते हुए कहा कि वह शादी के लिए दबाव न बनाए और वे शादी नहीं करेंगे। जुनैद तमंचा दिखाकर और गोली मारने की धमकी देकर उसे खींचकर कमरे में ले गया, जहां उसके साथ रेप किया। जीशान ने कमरे का दरवाजा बाहर से बंद किया और हाथ में तमंचा लेकर कमरे के बाहर खड़ा था। पीड़िता का आरोप है कि दोनों आरोपियों के

10वीं में पढ़ाई के दौरान हुई थी दोस्ती, 4 साल तक रहा रिश्ता

मामला छजलैट थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाली युवती ने गांव में रहने वाले जुनैद अंसारी और उसके रिश्ते के भाई जीशान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जीशान पुलिस विभाग में सिपाही है और वर्तमान में बुलंदशहर जिले में तैनात है। युवती का आरोप है कि जब वह 10वीं कक्षा में पढ़ती थी, तभी उसकी गांव निवासी जुनैद अंसारी से दोस्ती हुई थी। जुनैद ने शादी का वादा कर मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब मैंने शादी के लिए दबाव बनाया तो जुनैद ने शादी से इनकार कर दिया। इस दौरान जुनैद ने मेरे फोटो और वीडियो भी बना लिए थे। बाद में उन्हें वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करता रहा।

पिता मेडिकल और ईंट कारोबार से जुड़े बड़े कारोबारी हैं। आरोपी परिवार अपने रसूख का इस्तेमाल कर हम पर दबाव बनाने और कार्रवाई से बचने की कोशिश कर रहे हैं। छजलैट थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में सिपाही और उसके रिश्ते के भाई के खिलाफ रेप समेत अन्य धाराओं में FIR दर्ज की गई थी।

युवती ने बताया- शादी से मना करने पर मैंने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। मामला आगे बढ़ने और जेल जाने की आशंका के बाद आरोपियों ने मेरे परिवार को शादी कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद समझौता हुआ और युवती के बयान भी दर्ज कराए गए। जैसे ही पुलिस ने मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दी, आरोपी शादी के वादे से फिर मुकर गए।

जन्माष्टमी पर मथुरा आएंगे सीएम योगी

दो दिन रहेंगे, मंदिरों में दर्शन करेंगे, 446 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिन के दौरे पर मथुरा आएंगे। मुख्यमंत्री 3 सितंबर को वृंदावन स्थित पवन हंस हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। अपने दौरे के दौरान वे मथुरा-वृंदावन को करीब 446.09 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद और मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की 42 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इनमें 19 परियोजनाओं का शिलान्यास और 23 पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का लोकार्पण शामिल है। शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं की लागत 263.69 करोड़ रुपए, जबकि लोकार्पित परियोजनाओं पर 182.39 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की ओर से छाता क्षेत्र में 30 मीटर चौड़ी मास्टर प्लान रोड

बनाई जाएगी। छटीकरा-वृंदावन मार्ग और मथुरा कट से टैंक चौराहा मार्ग का सौंदर्यीकरण होगा। लक्ष्मी नगर तिराहे से कृष्णापुरी तिराहे तक सड़क का उच्चीकरण किया जाएगा। बरसाना परिक्रमा मार्ग पर पार्किंग और पर्यटक सुविधाएं विकसित होंगी। वहीं श्रीकृष्ण जन्मस्थान के आसपास की गलियों और मार्गों पर स्ट्रीट फसाड विकसित किया जाएगा। जिले के अलग-अलग बॉर्डर प्वाइंट पर बनाए गए भव्य प्रवेश द्वार भी मुख्यमंत्री जनता को समर्पित करेंगे। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की परियोजनाओं में केशीघाट पर फसाड लाइटिंग, वृंदावन कुंभ मेला मैदान में श्रद्धालुओं के लिए शेड और बरसाना में यात्री शेड, वाटर प्वाइंट, होल्डिंग एरिया व शौचालय शामिल हैं।

सखीगिरी पर्वत से लेकर जन्मस्थान तक होंगे विकास कार्य

ब्रज तीर्थ विकास परिषद की परियोजनाओं में गोवर्धन तहसील के ऊंचागांव में सखीगिरी पर्वत के 30 हेक्टेयर वन क्षेत्र का ईको-रेस्टोरेशन, महावन के प्रेमनगर स्थित बौद्ध विहार परिसर में पर्यटक सुविधाओं का विकास और शेरगढ़ के श्री दाऊजी मंदिर परिसर का संरक्षण शामिल है। इसके अलावा मंदिर परिसर में पंडाल, पार्किंग और प्रसाधन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। फरह के दीनदयाल धाम में पर्यटन अवस्थापना केंद्र बनाया जाएगा। वृंदावन परिक्रमा मार्ग के भवनों पर फसाड लाइटिंग, सौंदर्यीकरण और साइनेज का काम भी होगा।

23 परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण

ब्रज तीर्थ विकास परिषद की पूरी हो चुकी परियोजनाओं में अकबरपुर जैत का टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर, करहला में वज्रनाभ समाधि का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण शामिल है। वृंदावन के सुनरख में सौभरि ऋषि वाटर बॉडी का सौंदर्यीकरण और नौहझील के झाड़ी वाले हनुमान मंदिर पर श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विकास भी पूरा हो चुका है। पानीगांव स्थित यमुना पुल पर फसाड लाइटिंग भी शुरू की जाएगी। मथुरा परिक्रमा मार्ग का नवीनीकरण और विकास, विभिन्न भाषाओं में

13 साल की उम्र में 50 ग्रंथों के वक्ता बने माधुकांत दास

इंग्लैंड के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन। आध्यात्मिक क्षेत्र में कम उम्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले वृंदावन के माधुकांत दास (माधव दुबे) को इंग्लैंड के वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस ने सम्मानित किया है। संस्था की ओर से जारी प्रमाणपत्र में उन्हें इस्कॉन के सबसे कम उम्र के शिष्य और 50 ग्रंथों के वक्ता के रूप में दर्ज किया गया है। प्रमाणपत्र के अनुसार, महज 13 वर्ष की उम्र में माधुकांत दास ने आध्यात्मिक अध्ययन, भक्ति, अनुशासन और भगवान श्रीकृष्ण की सेवा के प्रति उल्लेखनीय समर्पण प्रदर्शित किया। संस्था ने उनके प्रयासों को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया है। इंग्लैंड स्थित वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस की ओर से जारी

प्रमाणपत्र में माधुकांत दास की आध्यात्मिक गतिविधियों और ग्रंथों के अध्ययन-वाचन का उल्लेख किया गया है। प्रमाणपत्र 30 अगस्त 2026 को जारी किया गया है। इसे Incredible India Edition 2026 के तहत प्रदान किया गया है। कम उम्र में आध्यात्मिक ग्रंथों के अध्ययन और उनके वाचन में पहचान बनाने वाले माधुकांत दास की इस उपलब्धि से वृंदावन के संत समाज और स्थानीय लोगों में खुशी है। लोगों ने इसे ब्रज की आध्यात्मिक परंपरा के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

पृष्ठ 01 का शेष...

दिल्ली में बस में ...

फिर यहां से नोएडा जाने के लिए वाहन का इंतजार करने लगी। इसी बीच वहां से एक खाली स्लीपर बस गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया। ड्राइवर और कंडक्टर ने छात्रा को बस में बैठा लिया। उन्होंने बताया कि बस नोएडा सेक्टर-63 जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बस चलने के कुछ समय बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने की कोशिश की। छात्रा ने पुलिस को बताया कि ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ रेप किया। विरोध करने पर दोनों ने उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि दोनों ने देर रात छात्रा को कश्मीरी गेट बस टर्मिनल के पास रिंग रोड पर उतार दिया। इसके बाद दोनों वहां से फरार हो गए। छात्रा ने रात में ही कश्मीरी गेट पुलिस से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। पीड़ित की शिकायत के अनुसार, जांचकर्ताओं ने कोतवाली एसीपी शंकर बनर्जी के नेतृत्व में एक टीम गठित की। टीम ने बस की पहचान और उसके रूट को ट्रैक करने के लिए रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पुलिस ने ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को तिमारपुर की एक बस पार्किंग से गिरफ्तार किया। घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस को भी जब्त किया गया। बस की फोरेंसिक जांच की जा रही है। मरम्मत पूरी होने के बाद ड्राइवर और कंडक्टर खाली बस को तिमारपुर ले जा रहे थे, तभी परी चौक पर छात्रा ने रुकने का इशारा किया। पुलिस ने बताया कि दोनों ने बस के पर्दे वाले अंदरूनी हिस्से का इस्तेमाल देर रात सफर के दौरान अपराध छिपाने के लिए किया। इससे बाहर से गुजर रहे लोग अंदर नहीं देख सके। 16 दिसंबर 2012 की रात दिल्ली में 23 साल की युवती के साथ चलती बस में गैंगरेप किया गया। उसके प्राइवेट पार्ट में सरिया डाला गया था। गंभीर चोटों के चलते युवती को सिंगापुर रेफर किया गया, जहां 29 दिसंबर को अस्पताल में मौत हो गई। मामले में दिल्ली समेत पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुआ। मीडिया में इसे निर्भया केस नाम दिया गया। मामले में 6 लोग आरोपी बनाए गए थे। एक आरोपी नाबालिग था, एक आरोपी ने जेल में सुसाइड कर लिया था। चार दोषियों मुकेश सिंह, पवन गुप्ता, विनय शर्मा और अक्षय कुमार सिंह को मौत की सजा सुनाई गई। चारों को 20 मार्च 2020 को दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी दी गई।

दिल्ली में 47 लाख ...

चुनाव आयोग इन दावों और आपत्तियों की जांच के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी करेगा। दावों और आपत्तियों का डिस्पोजल प्रोसेस 29 अक्टूबर 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद 4 नवंबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। चुनाव आयोग ने 14 मई को हरियाणा, झारखंड, उत्तराखंड, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (SIR) की घोषणा की थी। यह SIR का तीसरा फेज है। पूरी प्रक्रिया 30 मई से 23 दिसंबर तक चलेगी। इस दौरान 36.73 करोड़ वोटरों का वेरिफिकेशन हो रहा है। जिन राज्यों में SIR होगा, उनमें पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। अन्य 13 राज्यों में 2028 और 2029 में चुनाव होंगे।

नेपाल-तिब्बत में ...

इससे पहले जारी आंकड़ों में मृतकों की संख्या 903 बताई गई थी। वहीं, लापता लोगों की संख्या में 300 से ज्यादा की कमी आई है। नेपाल की आपदा प्रबंधन एजेंसी के मुताबिक, अब 3,925 लोग लापता हैं। इससे पहले यह संख्या 4,247 थी। नेपाल में फ्लैश फ्लड के बाद बचाव अभियान के साथ-साथ मृतकों का अंतिम संस्कार भी शुरू हो गया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में बरामद शवों को उनके परिजनों को सौंपा जा रहा है। हालांकि, बड़ी संख्या में शवों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। नेपाल में लापता लोगों की पहचान के लिए उनके परिजनों से DNA सैंपल मांगे गए हैं। पुलिस ने माता-पिता और बच्चों से DNA देने के साथ लापता व्यक्ति की आखिरी बार देखे जाने की जगह और समय की जानकारी देने को कहा है। नेपाल के बाहर रहने वाले ऐसे लोग, जिनके रिश्तेदार नेपाल में लापता हैं, उन्हें अपने देश में DNA प्रोफाइलिंग कराकर रिपोर्ट ईमेल से नेपाल पुलिस को भेजने को कहा गया है। नेपाल में आई बाढ़ के बाद 4 अज्ञात शव बहकर उत्तर प्रदेश पहुंच गए। ये शव नारायणी-गंडक नदी से यूपी के महाराजगंज जिले में मिले थे। इन्हें नेपाल प्रशासन को सौंप दिया गया हैं। अधिकारियों के मुताबिक, शवों में 3 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। पहचान नहीं होने के कारण पोस्टमॉर्टम के दौरान DNA सैंपल लिए गए हैं। ये सैंपल नेपाल प्रशासन के साथ साझा किए जाएंगे, ताकि लापता लोगों के परिजनों के DNA से उनका मिलान किया जा सके। चीन ने नेपाल के उन आरोपों को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि चीन ने ग्लेशियरों की गतिविधियों और पानी के स्तर से जुड़े डेटा नहीं दिए। चीन ने कहा कि उसने नेपाल के साथ जरूरी जानकारी समय पर साझा की है। रॉयटर्स के मुताबिक, नेपाल और चीन के अधिकारियों ने 27 मई को काठमांडू में बैठक की थी। इसमें बाढ़, मौसम और ग्लेशियर से जुड़े खतरों पर चर्चा हुई थी। नेपाल ने ग्लेशियरों में होने वाली शुरुआती हलचल और संभावित खतरे की जानकारी पहले देने की मांग की थी। नेपाल के एक सरकारी हाइड्रोलॉजिस्ट ने कहा कि चीन भारी बारिश का अनुमान तो साझा करता है, लेकिन हिमस्खलन, पानी के स्तर, भूस्खलन और दूसरे बड़े प्राकृतिक खतरों की जानकारी नहीं देता। हालांकि, चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक जानकारी खुले और पारदर्शी तरीके से जारी की गई थी। चीन के वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर ने 26 अगस्त की आपदा से 12 दिन पहले नेपाल को भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ जैसे खतरों की चेतावनी भी ईमेल से भेजी थी। बाढ़ से बिजली आपूर्ति प्रभावित होने के बाद मंत्रालय ने बिजली बहाल करने के साथ वैकल्पिक ऊर्जा की व्यवस्था पर भी काम शुरू किया है।

'कॉकरोच' के आगे...

यह याचिका रिटायर्ड दिल्ली पुलिस अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में होने वाले BRICS समिट को देखते हुए बड़े जुलूस और प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कॉकरोच पार्टी 5 सितंबर को फिर से दिल्ली में मार्च निकालने वाली है। उन्होंने लोगों से इसमें शामिल होने की भी अपील की। CJP ने नीट पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी की मांगों को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर आंदोलन शुरू किया था। 25 जुलाई को सरकार से आश्वासन मिलने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अपना आंदोलन खत्म किया था। 20 जुलाई को CJP ने संसद मार्च निकाला था। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसकी परमिशन नहीं दी थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया था सुप्रीम कोर्ट ने 20 अगस्त को संसद मार्च के दौरान पुलिस की कार्रवाई के आरोपों की जांच के लिए 5 सदस्यों की हाई पावर्ड कमेटी के नामों का ऐलान किया था। कमेटी का अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस आर सुभाष रेड्डी को बनाया गया था।

प्रयागराज एयरफोर्स ...

ऐसे में मौत का आंकड़ा और बढ़ सकता है। हादसे के वक्त फैक्ट्री में 20 मजदूर काम कर रहे थे। आसपास के घरों के कुछ लोग भी घायल हैं। धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में धुएं का गुबार चारों तरफ छा गया। विस्फोट के बाद पटाखों के चलते लगातार धमाके होते रहे। ग्रामीण झुलसे लोगों को चारपाई पर ले जाते दिखे। विस्फोट की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मकान की तीसरी मंजिल में 8 फीट का छेद हो गया। एक मंजिला फैक्ट्री 800 वर्गफीट में बनी थी। मालिक का नाम आदिल है। पुलिस के मुताबिक, फैक्ट्री के बगल में नई बस्ती बस रही थी। पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। कौशांबी जिलाधिकारी अमित पाल शर्मा ने 11 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

यूएस ओपन : मैच में उल्टी हुई, दवा ली, 49वीं रैंकिंग प्लेयर ने 4.36 घंटे में हराया

24 ग्रैंड स्लेम चैंपियन जोकोविच पहले राउंड में बाहर

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

सर्बिया के नोवाक जोकोविच US ओपन के पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए। उन्हें अर्जेंटीना के वर्ल्ड नंबर-49 मारियानो नवोने ने पांच सेट के मुकाबले में 7-6, 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया।

इसके साथ ही जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। हार के बाद जोकोविच भावुक हो गए और अपने आंसू नहीं रोक सके।

मैच के दौरान उन्हें उल्टी करते देखा गया। उन्होंने इनहेलर का इस्तेमाल किया और दवा भी ली। इसके अलावा, वे बार-बार स्ट्रेचिंग करते नजर आए। साथ ही पीठ और पैर में परेशानी से जूझते दिखे। मारियानो नावोने अर्जेंटीना के एक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 27 फरवरी 2001 को हुआ था। नावोने ने तीन साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया। 2024 फ्रेंच ओपन में नावोने को 31वीं वरीयता दी गई थी, उसी से उन्होंने ग्रैंड स्लैम डेब्यू किया। डेनियल मेदवेदेव ने US ओपन के पहले दौर में ह्यूगो गैस्टन को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 2 घंटे 14 मिनट चला। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने करियर में आठवीं बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दूसरे दौर में मेदवेदेव का सामना अमेरिकी वाइल्ड कार्ड सेबेस्टियन गोर्जनी और राफेल कोलिग्नन के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

> **यह मुकाबला 4 घंटे 36 मिनट तक चला, जो ग्रैंड स्लैम में जोकोविच के करियर का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड मैच रहा। 39 साल के जोकोविच ने शुरुआती तीन सेट में से दो जीते, लेकिन 25 साल के नवोने ने आखिरी दो सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।**

यूएस ओपन में पहली बार पहले राउंड में हारे

जोकोविच के लिए यह US ओपन के इतिहास में पहली बार है, जब वे टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में बाहर हुए हैं। इससे पहले वे कभी भी पहले राउंड में नहीं हारे थे।

जोकोविच 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार है,जब वे किसी ग्रैंड स्लैम के पहले राउंड में बाहर हुए हैं।

मैच के दौरान तबीयत बिगड़ी

जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो सेट जीतकर बढ़त बना ली थी। हालांकि, मुकाबले के अंतिम चरण में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी।

जर्मनी चौथी बार हॉकी वर्ल्ड चैंपियन फाइनल में स्पेन को हराया

पाकिस्तान के सबसे ज्यादा 4 खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी

बेल्जियम, एजेंसी

जर्मनी ने स्पेन को 1-0 से हराकर हॉकी वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। उसने लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप ट्रॉफी अपने नाम की है। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में चौथी बार चैंपियन बना है।

बेल्जियम के वॉवर में रविवार को जर्मनी के लिए मैच का एकमात्र गोल मिशेल स्ट्रूथॉफ ने 44वें मिनट में किया। स्पेन ने 24 सर्कल एंट्री की, जबकि जर्मनी की 12 रही। स्पेन ने 9 शॉट और जर्मनी ने 5 शॉट लगाए। पहले हाफ में गोल नहीं हुआ। तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने लगातार अटैक किए, लेकिन 44वें मिनट में जर्मनी ने काउंटर अटैक पर बढ़त बना ली। स्ट्रूथॉफ ने गोलकीपर को छकाते हुए गेंद नेट में पहुंचा दी।

इस जीत के साथ जर्मनी के वर्ल्ड कप खिताबों की संख्या 4 हो गई है। पाकिस्तान ने भी 4 बार यह ट्रॉफी जीती है। पाकिस्तान के खिताब 1971, 1978, 1982 और 1994 में आए थे। जर्मनी ने 2002, 2006, 2023 और 2026 में खिताब जीता।

स्पेन ने फाइनल में जर्मनी से ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया। टीम ने तीसरे क्वार्टर में 10 बार जर्मन सर्कल में प्रवेश किया और कई मौके बनाए, लेकिन फिनिशिंग कमजोर रही। जर्मनी ने अपने सीमित मौकों में से एक को गोल में बदलकर मैच जीत लिया।

स्पेन की टीम 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंची थी। हालांकि, उसका पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने का इंतजार जारी रहा। 2021 टोक्यो ओलिंपिक के ब्रॉन्ज मेडल मैच में भारत से हारने के बाद जर्मनी ने शानदार वापसी की।

बीसीसीआई ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर टीमों से राय मांगी

10 फ्रेंचाइजियों के जवाबों से तय होगा, आईपीएल 2027 में नियम बदलेगा या नहीं

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर IPL की सभी 10 फ्रेंचाइजियों से राय मांगी है। टीमों को सोमवार, 31 अगस्त तक अपनी राय देने को कहा गया है। कुछ महीने पहले बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने संकेत दिया था कि IPL 2026 के बाद इस नियम की समीक्षा की जाएगी।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रेंचाइजियों से क्रिकेट संचालन से जुड़े कई मुद्दों पर सुझाव मांगे गए हैं। इनमें इम्पैक्ट प्लेयर नियम के अलावा पीएमओए, अंपायरिंग, प्रैक्टिस सेशन और खेलने की शर्तें भी शामिल हैं। हालांकि, इम्पैक्ट प्लेयर नियम सबसे अहम मुद्दा बना हुआ है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम की रोहित शर्मा और विराट कोहली समेत कई प्रमुख भारतीय क्रिकेटर आलोचना कर चुके हैं। उनका मानना है कि इससे गेंदबाजों की भूमिका और टी-20 क्रिकेट में बल्ले-बॉल के संतुलन पर असर पड़ता है।

हालांकि, BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने मई में नियम का बचाव किया था। उन्होंने IPL में कम स्कोर वाले मैचों का उदाहरण देते हुए कहा था कि सभी मुकाबले हाई-स्कोरिंग नहीं रहे और गेंदबाजों को भी अच्छी विकेट मिली हैं।

सैकिया ने कहा था, सब कुछ हो रहा है,यह एक पैकेज में पूरा गुलदस्ता है। सैकिया ने हाल ही में कहा था कि अगर फ्रेंचाइजियां इस नियम को लेकर चिंता जताती हैं, तो बोर्ड इस पर दोबारा विचार करने के लिए तैयार रहेगा।

एशिया कप :दीप्ति ने बिना रन दिए 3 विकेट झटके, विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेटकर बनीं

भारत ने थाईलैंड को 94 रन से हराया

दुबई, एजेंसी

भारत ने विमेंस टी-20 एशिया कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने रविवार को थाईलैंड को 94 रन से हराया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में थाईलैंड 160 रन चेज करते हुए 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑलआउट हो गई। 150वां मैच खेल रहीं दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके और कोई रन नहीं दिया। वे विमेंस टी-20 इंटरनेशनल की टॉप विकेट टेकर भी बन गई। नंदनी शर्मा ने भी 3 विकेट लिए। श्री चरणी ने 2 विकेट लिए।

प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली शर्मा ने 36 बॉल पर 64 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। भारतीय टीम का दूसरा मैच 5 सितंबर को पाकिस्तान से इसी मैदान पर होगा। थाईलैंड ने 13 ओवर के बाद 6 विकेट पर 54 रन बना लिए हैं। नन्नापत कोंचारोएन-काई 32 और सुलेपोर्न लाओमी 4 रन बनाकर खेल रही हैं। श्री चरणी ने 3 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए हैं। चौथे ओवर की पहली गेंद पर नंदनी शर्मा ने भारत को दूसरा विकेट दिलाया। उन्हें पहला विकेट मिला है। नंदनी की फुलर गेंद पर या आगे निकलकर शॉट खेलने आईं। कवर्स में प्रतिका रावल ने ऊपर उछलकर दोनों हाथों से शानदार कैच लपक लिया। फन्निता माया ने 8 गेंदों पर 6 रन बनाए, जिसमें 1 चौका शामिल रहा। तीसरे ओवर में क्रांति गौड़ की गेंद पर फन्निता माया का कैच पहली स्लिप में दीप्ति शर्मा से छूट गया। भारत को शुरुआती सफलता का मौका मिला, लेकिन दीप्ति कैच पकड़ नहीं सकीं।

> **14.5 ओवर में नंदनी शर्मा ने सुलेपोर्न लाओमी को आउट किया। लाओमी 6 रन बनाकर आउट हुईं। अगली ही गेंद पर नंदनी ने सुनीदा चतुरोंग्रट्टाना को भी पवेलियन भेज दिया। सुनीदा खाता खोले बिना आउट हुईं।**

दीप्ति शर्मा का डबल विकेट मेडन ओवर

9वें ओवर में भारतीय कप्तान ने दीप्ति शर्मा को गेंदबाजी पर लगाया। दीप्ति शर्मा ने अपने 150वें मैच की पहली बॉल पर विकेट लिया। उन्होंने अपने पहले ओवर में नाओमी हैमिल्टन और नन्नाफट चाइहान को पवेलियन भेजा। दीप्ति ने इस ओवर में कोई रन नहीं दिया।

थाईलैंड 65 रन पर ऑलआउट, दीप्ति को तीसरा विकेट

17वें ओवर की पहली बॉल पर दीप्ति शर्मा ने नन्नापट कोंचारोएनकाई को कैप कराया। ऋचा घोष ने आगे की ओर डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। कोंचारोएनकाई ने 48 गेंदों पर 41 रन बनाए, जिसमें 5 चौके शामिल रहे।

इसी के साथ थाईलैंड की टीम 65 रन पर ऑलआउट हो गई। इस विकेट के साथ दीप्ति शर्मा महिला टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं।

मनोरंजन

झूम उठे स्टूडेंट्स, तालियों-सीटियों से गूंजा परिसर, पंजाबी सुरों से सजी शाम

फरीदाबाद के कॉलेज में सिंगर सुनंदा शर्मा ने मचाया धमाल

फरीदाबाद, एजेंसी

फरीदाबाद शहर के एक निजी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में पंजाबी और बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनंदा शर्मा ने अपनी प्रस्तुति से छात्र-छात्राओं में जोश भर दिया। सुनंदा शर्मा के मंच पर पहुंचते ही कॉलेज परिसर तालियों और सीटियों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अन्य लोग उन्हें देखने और सुनने के लिए कार्यक्रम में पहुंचे।

गायिका ने अपने लोकप्रिय पंजाबी गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कई गीतों पर विद्यार्थी उनके साथ गाते और झूमते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान सुनंदा शर्मा ने एक के बाद एक अपने लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए। उनकी प्रस्तुति पर युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम स्थल पर मौजूद विद्यार्थियों ने मोबाइल फोन से उनके वीडियो बनाए और प्रस्तुति के यादगार पलों को कैमरे में कैद किया। सुनंदा शर्मा ने भी मंच से विद्यार्थियों के उत्साह का जवाब देते हुए उनसे बातचीत की और संगीत के साथ कार्यक्रम का माहौल खुशनुमा बना दिया।

सोशल मीडिया से शुरू हुआ संगीत का सफर

सुनंदा शर्मा का संगीत सफर सोशल मीडिया से शुरू हुआ। उन्होंने पंजाबी गीत 'सुच्चा सूरमा' गाकर सोशल मीडिया पर साझा किया था। यह गीत लोगों को काफी पसंद आया और इसके बाद उन्हें पंजाबी संगीत इंडस्ट्री में काम करने के मौके मिलने लगे। इसके बाद 'बिल्ली अख' और 'पटाके' जैसे गीतों ने उन्हें खास पहचान दिलाई।

प्रेग्नेंसी ग्लो में सेल्फी भी पोस्ट की फैंस ने सुझाया बेबी नेम, एक्ट्रेस ने दिया रिएक्शन

सामंथा प्रभु ने शेयर की बेबी बंप की तस्वीरें

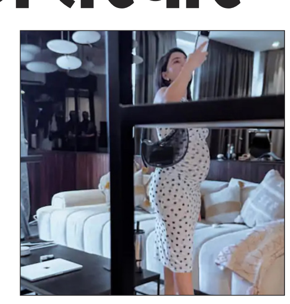

नई दिल्ली। एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इस वक्त अपने प्रेग्नेंसी ब्रेक पर हैं। वे सोशल मीडिया पर अपने प्रेग्नेंसी सफर की तस्वीरें लगातार शेयर कर रही हैं। हाल ही में सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया फोटो डंप शेयर किया है, जिसमें वे अपना बेबी बंप और प्रेग्नेंसी ग्लो दिखाती नजर आ रही हैं। इस पोस्ट पर एक फैन ने उन्हें बच्चे के नाम का सुझाव दिया, जिस पर एक्ट्रेस ने मजेदार रिएक्शन दिया है। सामंथा ने 1 दिसंबर 2025 को फिल्ममेकर राज निदिमोरु से शादी की थी और जल्द ही वे अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं।

सामंथा की नई इंस्टाग्राम पोस्ट में उनकी अलग-अलग तस्वीरें शामिल हैं। इनमें से कुछ तस्वीरों में वे बिना मेकअप के नजर आ रही हैं, तो कुछ में फ्लाइट और घर पर शीशे के सामने सेल्फी लेते हुए बेबी बंप दिखा रही हैं।

पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक फैन ने लिखा, ₹लड़की के लिए समैरा और लड़के के लिए सम्राज कैसा रहेगा? यह सामंथा और राज के नाम का परफेक्ट मिक्स है।₹ इस पर सामंथा ने जवाब देते हुए लिखा, ₹सम्राज... क्या यह कुछ ज्यादा नहीं हो जाएगा? सामंथा ने इससे पहले इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग (AMA) सेशन भी रखा था। इसमें उन्होंने बताया था कि वे अपने प्रेग्नेंसी फेज को काफी एंजॉय कर रही हैं।

एक यूजर के सवाल पर उन्होंने खुलासा किया कि उनका वजन अब तक 11 किलो बढ़ चुका है।

भव्या ने कहा था- वो पागल इंसान, मारपीट करता है, धर्म परिवर्तन के आरोप लग चुके

आसिम ने भव्या सिंह को भेजा लीगल नोटिस

नई दिल्ली। बिग बॉस 13 फेम आसिम रियाज ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भव्या सिंह को कानूनी नोटिस (सीज एंड डिजिस्ट) भेजा है। भव्या ने एक पॉडकास्ट के दौरान आसिम पर मारपीट करने और दुबई में किसी महिला के पैसों पर निर्भर रहने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे।

IANS के अनुसार आसिम के वकील ने इन दावों को पूरी तरह झूठा और छवि खराब करने वाला बताया है। नोटिस में भव्या और संबंधित मीडिया प्लेटफॉर्म्स को 72 घंटे के भीतर विवादित कंटेंट हटाने की हिदायत दी गई है।

आसिम रियाज की ओर से लीगल फर्म फाल्कन लीगल के पार्टनर एडवोकेट सुहैल शरीफ ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। कानूनी नोटिस में कहा गया है कि भव्या के बयान आसिम को हिमांशी के खिलाफ शारीरिक हिंसा करने वाले व्यक्ति के रूप में गलत तरीके से पेश करते हैं। हिमांशी का धर्म परिवर्तन कराने के दबाव का आरोपः अभिनेत्री हिमांशी खुराना ने हाल ही में पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में दावा किया कि आसिम रियाज के साथ रिश्ते के दौरान उन पर धर्म बदलने का मानसिक दबाव बनाया गया था। उन्होंने बताया कि उनके पूजा-पाठ करने पर आपत्ति जताई जाती थी और सामने वाले परिवार की तरफ से भी सोच बदलने का दबाव था। हिमांशी के मुताबिक, यह दबाव इतना बढ़ गया था कि वह इस्लाम कबूल करने के बेहद करीब पहुंच गई थीं।

भव्या सिंह ने लगाए थे गंभीर आरोप

एमटीवी स्प्लिट्सविला 12 फेम भव्या सिंह ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में आसिम रियाज और उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड हिमांशी खुराना के ब्रेकअप पर टिप्पणी की थी।

भव्या ने दावा किया था कि उन्हें किसी ने बताया था कि आसिम पागल इंसान हैं और मारपीट करता था। इसके अलावा भव्या ने एक वीडियो होने का दावा भी किया था। पॉडकास्ट में यह भी कहा गया था कि आसिम दुबई में किसी अज्ञात महिला के पैसों पर रह रहे हैं और उस पर आर्थिक रूप से निर्भर हैं।

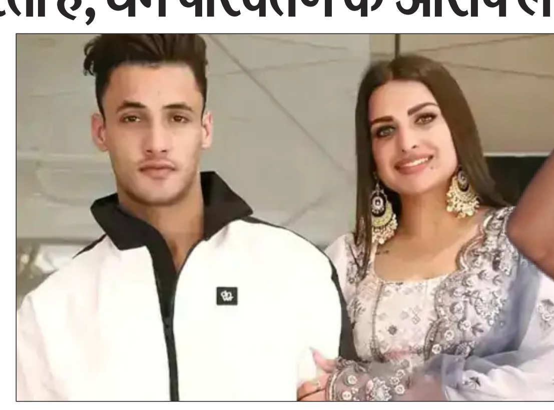

हिमांशी और आसिम 4 साल से रिलेशनशिप में थे।

- **इन बयानों से आसिम की सामाजिक छवि और प्रोफेशनल करियर को भारी नुकसान पहुंचा है। वकील ने साफ किया कि उनके क्लाइंट अपने खिलाफ किसी भी तरह की मानहानि को बर्दाश्त नहीं करेंगे।**
- **नोटिस के जरिए भव्या सिंह से कहा गया है कि वे आसिम के खिलाफ किसी भी मानहानिकारक बयान को दोहराना तुरंत बंद करें। इसके साथ ही जिन मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने इस पॉडकास्ट या उससे जुड़ी सामग्री को शेयर किया है, उनसे भी उस कंटेंट को 72 घंटे में हटाने के लिए कहा गया है।**

विस्फोट के बाद लगी आग, इंजन बंद पड़ा ■ अमेरिका का एक महीने बाद फिर ईरान पर हमला

होर्मुज में समुद्री माइंस से टकराया सुपर टैंकर

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने जॉर्डन में दो अमेरिकी एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, मिसाइलों को अमेरिकी एयरबेस के तकनीकी और मेंटेनेंस इंफ्रास्ट्रक्चर तथा लड़ाकू विमानों की तैनाती वाले क्षेत्रों को निशाना बनाकर दागा गया। वहीं, अल अरबिया के मुताबिक, जॉर्डन की एयर डिफेंस ने ईरानी मिसाइलों को रोक दिया।

घटना

नई दिल्ली, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट में एक सुपर टैंकर दो समुद्री माइंस से टकरा गया। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (IRGC) के मुताबिक, टकराने के बाद टैंकर में भीषण आग लग गई और वह पूरी तरह रुक गया। ईरान ने जहाज का नाम और चालक दल की संख्या नहीं बताई है।

IRGC ने कहा कि टैंकर बिना अनुमति वाले समुद्री रास्ते से गुजर रहा था। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में अपने तय सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करने वाले दूसरे जहाजों को भी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

इस बीच अमेरिका ने करीब एक महीने बाद ईरान पर फिर सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिकी सेना ने रविवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास ईरान के लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया।

अमेरिका के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के जवान होर्मुज स्ट्रेट में रॉकेट और समुद्री माइंस लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। ईरानी मीडिया ने हमले में कई सैनिकों और नागरिकों के मारे जाने की बात कही है। होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी और अरब सागर के बीच का प्रमुख समुद्री रास्ता है। दुनिया के तेल और गैस कारोबार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से होकर गुजरता है। संघर्ष से पहले दुनिया में इस्तेमाल होने वाले करीब पांचवें हिस्से के तेल की आवाजाही इसी रास्ते से होती थी। यही वजह है कि होर्मुज में तनाव बढ़ने या जहाजों की आवाजाही रुकने से कच्चे तेल की सप्लाई और कीमतों पर सीधा असर पड़ सकता है। अमेरिका और ईरान के बीच यहां बढ़ती सैन्य गतिविधि को इसी कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर माना जा रहा है।

होर्मुज के बीच में है लारक द्वीप

लारक द्वीप ईरान के प्रमुख बंदरगाह बंदर अब्बास के पास है और होर्मुज के ठीक बीच में स्थित है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए बेहद अहम है, क्योंकि युद्ध से पहले दुनिया के इस्तेमाल होने वाले करीब 20% तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आवाजाही इसी रास्ते से होती थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान फिलहाल इस द्वीप के पास से गुजरने वाले टैंकरों की जांच कर रहा है और जहाजों से स्ट्रेट पार करने के लिए 20 लाख डॉलर यानी करीब 19 करोड़ तक टैक्स वसूल रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपतिट्रम्प होर्मुज स्टेट को 'न्यू यूएस टेरिटरी' यानी नया अमेरिकी इलाका बता चुके हैं। 18 अगस्त को उन्होंने पहली बार होर्मुज पर अमेरिकी नियंत्रण की बात कही थी।

इसके बाद उन्होंने 23 अगस्त को ट्रूथ सोशल पर दोबारा ऐसी तस्वीर शेयर की, जिसमें होर्मुज को अमेरिकी इलाके के तौर पर दिखाया गया।

अमेरिकी सेना ने हाल ही में हटाई थीं बारूदी सुरंगें

अमेरिकी सेना ने पिछले हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट के अंतर-राष्ट्रीय शिपिंग रूट से समुद्री बारूदी सुरंगें हटाने का काम पूरा किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी कहा था कि अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद सभी सुरंगों को हटा दिया गया या निष्क्रिय कर दिया गया है।

ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर कोई जहाज या नाव होर्मुज स्ट्रेट में नई समुद्री सुरंगें बिछाने की कोशिश करेगी, तो उसे नष्ट कर दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।

फास्ट न्यूज

एससीओ के रंग में भंग डालने बिश्केक पहुंचे सर्जियो गोर

नई दिल्ली। किर्गिजस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की मंगलवार को होने वाली शिखर बैठक की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है। भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन जैसे दिग्गज वहां पहुंच गये हैं या पहुंचने वाले हैं।

गुलाम जम्मू कश्मीर में प्रदर्शनकारियों पर सरकार का अत्यधिक बल प्रयोग

लाहौर। पाकिस्तान की मानवाधिकार संस्था ने कहा है कि गुलाम जम्मू कश्मीर में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सरकार ने जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग किया और हिंसा व बड़े पैमाने पर धांधली के आरोपों से घिरी चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग के फैक्ट-फाइंडिंग मिशन की शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में गुलाम जम्मू कश्मीर में अशांति का कारण लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक शिकायतों, संस्थाओं पर अविश्वास और शासन में कमियों को बताया गया है।

यूनिफिकेशन चर्च के संस्थापक की पत्नी को अदालत ने सुनाई सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने सोमवार को यूनिफिकेशन चर्च की प्रमुख हक जा हान को भ्रष्टाचार के आरोपों में दो साल की सजा सुनाई। अदालत के पब्लिक अफेयर्स आफिस के अनुसार, सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने चर्च के संस्थापक सन म्योंग मून की पत्नी हान के खिलाफ यह फैसला सुनाया।

'तहस-नहस हुआ खार्ग द्वीप', ट्रंप ने एआई वीडियो शेयर कर किया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दो एआई वीडियो साझा किए हैं। इन वीडियो में ईरान पर अमेरिकी सेना के हालिया हवाई हमलों को दिखाया गया है।

ट्रंप द्वारा साझा किए गए एक फुटेज में दावा किया गया है कि यह ईरान के प्रमुख तेल केंद्र खर्ग द्वीप पर हो रही बमबारी का दृश्य है। गौरतलब है कि ट्रंप युद्ध शुरू होने के बाद से कई बार इस द्वीप पर कब्जा करने या इसे नष्ट करने की चेतावनी दे चुके हैं। AI द्वारा तैयार किए गए इस फुटेज में एक तेल भंडारण टैंक और एक तेल टैंकर में भीषण विस्फोट होते दिख रहे हैं, जबकि ऊपर एक लड़ाकू विमान मंडरा रहा है। इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया कि खर्ग द्वीप के परखच्चे उड़ गए हैं और इसे राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से साझा किया गया बताया गया। ट्रंप की यह सोशल मीडिया पोस्ट अमेरिकी सेना द्वारा होर्मुज में स्थित छोटे से लारक द्वीप पर ईरानी रॉकेट लॉन्चर्स पर किए गए हवाई हमलों के कुछ घंटों बाद आई है। जुलाई के अंत के बाद से ईरान पर यह अमेरिका का पहला हमला था। उन्होंने कहा कि हमले का उद्देश्य ईरान को होर्मुज में और अधिक समुद्री बारूदी सुरंगें बिछाने से रोकना था। इससे कुछ ही दिन पहले अमेरिका ने घोषणा की थी कि उसने इस रणनीतिक जलमार्ग से विस्फोटक हटाने का काम पूरा कर लिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर बताया कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तात्कालिक खतरा बन रहे ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के माइन-लेइंग बलों के खिलाफ सीमित और सटीक कार्रवाई की है।

उज्बेकिस्तान में मोदी ने छात्रों से बात की

स्टूडेंट्स ने पीएम की कविताओं को हिंदी में सुनाया, मोदी बोले- भावनाएं बिल्कुल मेरे दिल जैसी थीं

ताशकंद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्बेकिस्तान के दो दिवसीय दौरे में ताशकंद के महात्मा गांधी सेंटर का दौरा किया। यहां उज्बेक छात्रों ने हिंदी में मोदी की लिखी कविताएं सुनाईं। अपनी कविताएं छात्रों से सुनकर मोदी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि हिंदी छात्रों की मातृभाषा नहीं है, फिर भी उन्होंने कविताओं की भावनाओं को बिल्कुल वैसे ही समझकर पेश किया, जैसी भावनाएं उनके दिल में थीं।

मोदी ने उज्बेकिस्तान में भारत, महात्मा गांधी और तमिल संस्कृति में बढ़ती रुचि का भी जिक्र किया। उन्होंने तिरुक्कुरल का उज्बेक भाषा में अनुवाद करने का सुझाव दिया। उज्बेकिस्तान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ दाराजली डस्टलिक' से सम्मानित किया है।

ताशकंद के महात्मा गांधी सेंटर में छात्रों की कविता सुनते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया।

यह किसी विदेशी देश की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को मिला 36वां सर्वोच्च सम्मान है।इस सम्मान के साथ पीएम मोदी भारत के उन प्रधानमंत्रियों में शामिल हैं, जिन्हें सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं।

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव से 'ऑर्डर ऑफ दाराजली डस्टलिक' सम्मान प्राप्त करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव से 'ऑर्डर ऑफ दाराजली डस्टलिक' सम्मान प्राप्त करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। PM मोदी ने तमिल साहित्य की प्रसिद्ध रचना 'तिरुक्कुरल' का भी जिक्र किया। उन्होंने संस्थान की 40वीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए सुझाव दिया कि इसका उज्बेक भाषा में अनुवाद किया जाना चाहिए।

उज्बेकिस्तान में भारतीय संस्कृति का प्रभाव बढ़ा

कार्यक्रम में भारत और भारतीय संस्कृति का अध्ययन करने वाले एक उज्बेक इंडोलॉजिस्ट ने कहा कि शायद दुनिया में बहुत कम ऐसे देश होंगे, जहां लोगों में भारत को लेकर इतना प्यार है।

उन्होंने बताया कि यहां लगभग हर नागरिक 'नमस्ते' शब्द से परिचित है। भारतीय कला, नृत्य, संगीत, दर्शन और योग में भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है।

मोदी की यात्रा के दौरान भारत और उज्बेकिस्तान के रिश्ते कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक पहुंचे। दोनों देशों के बीच 11 समझौतों, एमओयू और सहमतियों का आदान-प्रदान भी हुआ।

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव से 'ऑर्डर ऑफ दाराजली डस्टलिक' सम्मान प्राप्त करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

इस्तांबुल में तीनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्री मिलेंगे, सैन्य प्रमुख भी शामिल होंगे

पाकिस्तान तुर्किये और सऊदी अरब की पहली रक्षा बैठक

इस्तांबुल, एजेंसी

पाकिस्तान, तुर्किये और सऊदी अरब के बीच मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के तहत पहली बैठक सोमवार को इस्तांबुल में होगी। बैठक में तीनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्री के साथ सैन्य प्रमुख भी शामिल होंगे।

पाकिस्तान की ओर से उपप्रधान-मंत्री मोहम्मद इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ और सेना प्रमुख एवं चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर हिस्सा लेंगे।

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने 7 अगस्त को मक्का में संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। समझौते के तहत किसी एक देश पर हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस समझौते को तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। मक्का समझौते के तहत भविष्य में अन्य देशों के जुड़ने की संभावना है। बांग्लादेश पहले ही इस समझौते में रुचि दिखा चुका है, और रक्षा समझौते में शामिल होने को लेकर किसी बड़े जोखिम से इनकार किया है। विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा कि इस समझौते में शामिल होने से बांग्लादेश के दूसरे देशों के साथ संबंध प्रभावित नहीं होंगे और वह अपनी विदेश नीति को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाएगा। हालांकि, बांग्लादेश को अभी तक इस समझौते में शामिल होने का औपचारिक न्योता नहीं मिला है।

बैठक का एजेंडा फिलहाल साफ नहीं

मक्का रक्षा समझौते के तहत बनी रणनीतिक राजनीतिक और रक्षा समिति की पहली बैठक का एजेंडा सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन क्षेत्रीय सुरक्षा, ईरान से जुड़े हालात, रक्षा सहयोग और आपसी सुरक्षा रणनीति पर चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा क्षेत्र में बढ़ते तनाव और संभावित सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए आपसी तालमेल मजबूत करने पर भी विचार किया जा सकता है।

अंबानी ने लुटियंस जोन में 350 करोड़ का बंगला खरीदा

कर्मचारियों के लिए गेस्ट हाउस बनेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सबसे अमीर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी ने दिल्ली के सबसे पॉश और सुरक्षित इलाके 'लुटियंस बंगलो जोन' में 350 करोड़ रुपए का एक बंगला खरीदा है। रिलायंस ने साफ किया है कि यह बंगला अंबानी परिवार का निजी आवास नहीं होगा।

पृथ्वीराज रोड पर स्थित इस आलीशान बंगले का इस्तेमाल रिलायंस अपने दिल्ली आने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कॉर्पोरेट गेस्ट हाउस के तौर पर करेगी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह डील जुलाई के आखिर में टैक्स के अलावा लगभग 36.7 मिलियन डॉलर यानी करीब 350 करोड़ रुपए में फाइनल हुई थी। रिलायंस के स्पोक्सपर्सन ने बताया कि कंपनी ने दिल्ली में अपने कर्मचारियों के ठहरने के लिए यह

बंगला खरीदा है। हालांकि, कंपनी ने अनंत अंबानी के फैमिली ऑफिस की सीधी भूमिका या डील के पैसों पर बयान नहीं दिया है।

पृथ्वीराज रोड पर हुई यह खरीदारी इसलिए भी खास है, क्योंकि लुटियंस में प्राइवेट प्रॉपर्टीज बेहद कम बिकती हैं। दिल्ली रिलायंस के लिए प्रशासनिक और बिजनेस के लिहाज से बेहद अहम केंद्र है, इसलिए कंपनी ने यह निवेश किया है। लुटियंस दिल्ली की स्थापना ब्रिटिश राज के दौरान हुई थी, जब अंग्रेजों ने भारत की राजधानी को कोलकाता से दिल्ली शिफ्ट किया था।

दुर्घटना : 7 की मौत, 24 लापता, 270 यात्री सवार थे, बोट के ऊपर चढ़कर जान बचाई

तुर्किये जा रही फेरी बोट समुद्र में पलटी

अंकारा/निकोसिया, एजेंसी

मेडिटेरियन सी में तुर्किये जा रही फेरी बोट रविवार को समुद्र में पलट गई। यह फेरी यूरोपीय देश साइप्रस के उत्तरी तट से 270 से ज्यादा यात्रियों के साथ रवाना हुई थी। तुर्किये की मीडिया के मुताबिक, हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है।

उत्तरी साइप्रस के प्रधानमंत्री उनाल उस्तेल ने बताया कि अब तक 237 लोगों को बचा लिया गया है। कई यात्रियों ने पलटी बोट के ऊपर चढ़कर अपनी जान बचाने की कोशिश की थी। वहीं, 24 अन्य लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

उन्होंने बताया कि खराब मौसम के बीच फेरी रवाना हुई थी और निकलने के करीब 15 मिनट बाद उसमें पानी भरने लगा। इसके बाद यह हादसा हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, राहत और बचाव दल मौके पर लगातार जुटे हुए हैं।

बाल्टिक सागर में एस्टोनिया फेरी डूबने से 850 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। इसके बाद 1995 में नियम बदले गए। जहाज में पानी भरने के बाद भी उसके स्थिर रहने और न पलटने की क्षमता जांचना जरूरी हुआ। आपातकालीन सूचना और सुरक्षित निकासी के नियम भी मजबूत किए गए।

साइप्रस तट से करीब 7 किमी दूर हुआ हादसा

तुर्किये मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तरी साइप्रस तट से करीब 7.5 किमी दूर ही यह हादसा हुआ। कैटामरैन शैली की यह फेरी मर्सिन प्रांत के तुर्किये पोर्ट तासुकु जा रही थी। यह उत्तरी साइप्रस के काइरेनिया पोर्ट से रवाना हुई थी। कैटामरैन एक खास तरह की नाव या फेरी होती है। इसकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि इसमें नीचे दो समानांतर हिस्से (हुल) होते हैं। यही डिजाइन इसे पानी में ज्यादा स्थिर रखने में मदद करता है।

बेल्जियम के पास हेराल्ड ऑफ फ्री एंटरप्राइज फेरी पलटने से 193 लोगों की मौत हुई। जहाज का अगला दरवाजा खुला रह गया था, जिससे पानी अंदर भर गया। इसके बाद नियम बदले गए। दरवाजा खुला है या बंद, इसकी जानकारी ब्रिज पर मिलना जरूरी हुआ। साथ ही कैमरा या पानी रिसने की चेतावनी देने वाली व्यवस्था लगाना जरूरी किया गया।

फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोर्न एप दिखाकर साइबर ठगी

हैकर्स डेटा चुराकर बैंक खाते खाली कर रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

सोशल मीडिया पर विज्ञापनों के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाने का एक नया पैटर्न सामने आया है। गृह मंत्रालय की साइबर विंग नेशनल साइबरक्राइम थ्रेट एनालिटिक्स यूनिट (NCTAU) ने एक एडवाइजरी जारी की है।

जांच एजेंसी ने पाया है कि जालसाज फेसबुक और इंस्टाग्राम पर पोर्न एप्स के विज्ञापन चलाकर लोगों के बैंक खाते खाली कर रहे हैं। स्मार्टफोन यूजर्स को निशाना बनाने वाले इस फ्रॉड को लेकर सरकार ने अलर्ट रहने को कहा है।

गृह मंत्रालय की विंग ने कुछ संदिग्ध एप्स के नामों का खुलासा किया है, जो इस समय सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा एक्टिव हैं। सरकार ने मुख्य रूप से इन नामों और इनके जैसे अन्य वैरिएंट्स से बचने की सलाह दी है।

NCTAU की रिपोर्ट के मुताबिक, साइबर अपराधी फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का सहारा ले रहे हैं। यहां वे एडल्ट या पोर्नोग्राफिक कंटेंट का झांसा देने वाले विज्ञापन नईचलाते हैं।

जब यूजर इन विज्ञापनों पर क्लिक करता है, तो उसे एक बाहरी वेबसाइट पर पहुंचा दिया जाता है। इस वेबसाइट पर जाने के बाद यूजर के सामने एक पॉप-अप आता है, जिसमें उसे एक APK फाइल यानी एप डाउनलोड करने के लिए उकसाया जाता है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।
सम्पादक : विद्यादेवी
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा
समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676